जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 24 सितम्बर, 2023

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

PM GatiShakti
National Master Plan for Multi-Modal Connectivity

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

INDIAN RAILWAYS

देश भर में एक साथ

9 वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

01 विजयवाड़ा-चेन्नई
02 तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई
03 कासरगोड-तिरुवनंतपुरम
04 जामनगर-अहमदाबाद
05 राँची-हावड़ा
06 हैदराबाद-बेंगलुरु
07 पटना-हावड़ा
08 राउरकेला-पुरी

राजस्थान को भी मिल रहा वंदे भारत का उपहार

उदयपुर-जयपुर
वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन
का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

लाभ

- इस रूट की सबसे तीव्र ट्रेन की तुलना में यात्रा समय में 30 मिनट की कमी।
- उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, जयपुर और आसपास के जिलों के लोगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी।
- उदयपुर, अजमेर और जयपुर में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तथा यात्रियों, पेशेवरों, व्यापारियों व छात्रों को लाभ।
- भीलवाड़ा में कपड़ा उद्योग, किशनगढ़ में मार्बल उद्योग और अन्य क्षेत्रों के लिए बढ़े व्यावसायिक अवसर।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
द्वारा
(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

रविवार, 24 सितम्बर, 2023 ; दोपहर 12.30 बजे ; उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन

वंदे भारत एक्सप्रेस की मुख्य विशेषताएँ

- 160 किमी प्रति घंटा की उच्चतम गति की स्वदेशी वंदे भारत ट्रेन
- प्रत्येक सीट के नीचे उपलब्ध चार्जिंग पॉइंट का बेहतर एक्सेस तथा पहले से अधिक झुकाव के साथ सीट को 360° तक घुमाने की सुविधा
- दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, सीट हैंडल और ब्रेल लिपि में सीट नंबर
- हवा को स्वच्छ रखने हेतु विशेष एंटीबैक्टीरियल यूवी लैंप, बेहतर वेंटिलेशन तथा एयर कंडीशनिंग से युक्त कोच
- कवच (टक्कर-रोधी प्रणाली) से लैस
- प्रत्येक कोच सीसीटीवी कैमरों व इन्फोटेनमेंट सुविधाओं से युक्त
- ऐरोसोल आधारित बेहतर अग्निशमन सुरक्षा उपायों से युक्त

टाइम टेबल

उदयपुर-जयपुर	↓ स्टेशन ↑	जयपुर-उदयपुर
Dep. 0750	उदयपुर	Arr. 2200
0757/0759	राणा प्रताप नगर	2148/2150
0829/0831	मावली	2052/2054
0925/0935	चित्तौड़गढ़	1945/1955
1017/1019	भीलवाड़ा	1856/1858
1111/1113	बिजयनगर	1812/1814
1205/1210	अजमेर	1720/1725
1237/1239	किशनगढ़	1650/1652
Arr. 1405	जयपुर	Dep. 1545

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर देखें

भारतीय रेल

/RailMinIndia पर हमें फॉलो करें

विचार बिन्दु

मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र उसकी दस उंगलियाँ हैं। –राबर्ट कोलियर

भारत के 15 लाख पारम्परिक तालाब प्राकृतिक जलवायु समाधान का उत्कृष्ट उदाहरण हैं

भारत के गाँवों में तालाब स्वयं में एक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो विविध पारिस्थितिकीय तंत्र सेवाओं, जैसे–जैव विविधता संरक्षण के साथ ही जलवायु परिवर्तन शमन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, जल शुद्धिकरण, बाढ़ शमन और सांस्कृतिक लाभ (जैसे, पर्यटन, स्वास्थ्यकर स्थल), पोषक तत्व का भण्डारण, कार्बन संचय, और आजीविका में बेहतरी आदि के माध्यम से अनेक सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। परन्तु बड़े बांधों की तुलना में तालाबों के सामाजिक-आर्थिक और पारिस्थितिक मूल्य को प्राय: अज्ञानवश कमतर आंका जाता है (देखें, डी.एन. पाण्डेय, साइंस, 293: 1763, 2001; एस. यादव व वी.सी. गोयल, वेटलैंड्स, 42(8): 107, 2022)।

आज की चर्चा इस बात पर केन्द्रित है कि यदि शहरों को पानी पीना है तो तालाब व एनीकट जैसे ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, जो उच्चकोटि के प्राकृतिक जलवायु समाधान हैं, में निवेश अनिवार्य है। थोड़ी देर के कल्पना कीजिये कि आप एक बहुत बड़े शहर में रहते हैं। सारी सुख-सुविधायें आपके पास उपलब्ध हैं। बस अब पानी की कमी पड़ने लगी है, क्योंकि निरंतर बढ़ते हुये शहरवासियों की संख्या की कारण आपके पारंपरिक जलस्त्रोत सूख गये हैं। आप का सबसे बड़ा पारंपरिक बाँध जहाँ से आपको पानी मिलता था, अब सूख गया है। पारंपरिक बाँध इसलिये सूख गया क्योंकि आप उससे मिलने वाले पानी को लेते रहे, उपयोग किया, और गन्दा करके जल-मल के रूप में प्रतिदिन बहा दिया। पारंपरिक बाँध इसलिये भी सूख गया क्योंकि जिन जलग्रहण क्षेत्रों से पानी बहकर आता था अब वहां के लोगों ने अपनी आजीविका सुदृढ़ करने के लिये खेती और बागवानी करने के लिये जमीन विकसित कर लिया। मिट्टी को खेती योग्य बनाकर जल से तृप्त करना प्रारंभ कर दिया। वर्षा का पानी जैसे ही खेत की गोद में गिरता है, मिट्टी उसे सोखना प्रारंभ कर देती है और एक बार में जब तक 90 से 100 मिलीमीटर तक बारिश न हो, वहां से पानी की एक बूँद नहीं बहती। गरीब किसानों द्वारा जहाँ-का-पानी-तहां रोकने के लिये अपने खेत में ही बंधी व खेत-तलाई बनाना न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों के अनुरूप ही है। अब ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में रहने वाले लोग आपके सुख के लिये उस पानी को बहकर आपके पारंपरिक बाँध तक आने देने के बजाय मोर-क्रॉप-पर-ड्रॉप के सिद्धांत पर पानी का उपयोग स्वयं करने लगे हैं। वर्षा के पानी ने किसानों का आतिथ्य स्वीकार कर लिया है। अब वहीं रुक जाता। अब वर्षा की मात्रा बढ़ने तक वहीं रुका करेगा।

अब शायद आप समझ गये होंगे कि जयपुर के रामगढ़ में पानी क्यों नहीं आता? जब पानी बहकर आपके पास सैकडों साल तक बार-बार आता था, तब तो आप उसकी इज्जत कर नहीं पाये! शहरवासियों ने अपनी गन्दगी धोकर खूब बहाया।

समस्या अभी और भी है! किस्सा अभी तो शुरू हुआ है। आगे पढ़िये।

आपके पुराने बाँध के सूखने से आपके शहर के कुयें और बावड़ियां पानी से रीत कर केवल अपनी स्थापत्य कला का उदाहरण मात्र रह गयीं। जो थोड़ी-बहुत पानीदार थीं, उन्हें आपने कचरे से भाठ दिया।

जब पानी आपके पास दौड़कर आता था, आपने उसका उपभोग कर जल-मल के रूप में बह जाने दिया।

पुनर्चक्रण द्वारा पुन:-उपयोग के योग्य बनाने की अकल ही नहीं आयी। फिर शहर से दूर ही सही, आप एक बड़ा बांध निर्मित करते हैं, ताकि वहां से पानी लाया जा सके। आप आशा करते हैं कि उस बाँध के आसपास के गावों के संपूर्ण भू-परिदृश्य से जल एकत्र होकर आप द्वारा बनाये गये बांध में आयेगा। आता भी है। आप उस जल को सैकडों किलोमीटर दूर से लाकर अपने शहर में वितरित करते हैं। यह कार्य अत्यंत आवश्यक था, वर्ना जयपुर अपनी दुर्दशा के नए आयाम देख लेता। शहर के लोगों की प्यास बुझने लगती है। दो-चार साल का काम चलता है। पर तभी अचानक फिर प्यासे मरने की नौबत आती है। क्यों?

उपरोक्त स्थिति का उत्तर पाने के लिये एक बार ऊपर लिखा किस्सा पुन: पढ़ लीजिये।

शहर अब धीरे-धीरे पानी की जरूरत पूरी करने के लिये निरंतर एक के बाद एक दूरी नापते हुये बहुत दूर से पानी लाने को लालायित हैं। देखने सुनने में यह व्यवस्था रोचक लगती है। लेकिन यदि आप द्वारा बनाया गये नये बांध के जलग्रहण क्षेत्र में लोग वनों और मिट्टी को सुरक्षित ना करें तो क्या होगा?

पहली बात तो यह है कि असंरक्षित जलग्रहण क्षेत्र से पानी के साथ बहकर आने वाली मिट्टी बड़े बांध का जीवन शीघ्र समाप्त कर देगी। दूसरी बात यह है कि जिस वाटरशेड से पानी सिमट सिमट कर आपके नये बड़े बांध में आता है, उसके साथ आने वाली मिट्टी उन किसानों की आजीविका को भी बर्बाद करके ही आती है, जिनके पास उस मिट्टी, पेड़ और वनों को संरक्षित करने के लिये आर्थिक संसाधन नहीं हैं।

भारत में प्राचीन काल से जल प्रबंध एक पूर्ण वैज्ञानिक प्रक्रिया के द्वारा संचालित होता रहा है। जहाँ वर्षा जल संग्रह की तालाब, तलाई, बंधी, बंधुलिया आदि जैसी संरचनायें नष्ट हुई हैं, वहां भू-जल का स्तर तेजी से नीचे गिरा है। तालाब (सतही जल) और कुआँ (भूजल) स्तर के बीच पक्की और मजबूत परस्पर क्रिया पाई जाती है।

तब क्या कोई रास्ता है? और विशेषकर तब क्या रास्ता है जब जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता और भी ज्यादा अनिश्चित होती जा रही है।

रास्ता तो है। दुनिया के तमाम शहर प्राकृतिक जलवायु समाधान की इस रणनीति का उपयोग कर स्वयं भी प्रसन्न हैं और अपने आसपास के किसानों को भी प्रसन्न रखे हुये हैं। पूरे विश्व में आज ग्रामीण-किसानों और शहरवासियों के बीच एक रोचक आर्थिक रिश्ता बन रहा है, जिसमें शहर के लोग ग्रामवासियों को उनके द्वारा जलग्रहण क्षेत्र में वनों और मिट्टी को सुरक्षित रखने के लिये भुगतान करते हैं। केवल ऐसे संरक्षित क्षेत्रों से ही साफ-सुथरा पानी बांधों को मिलता है, जिनसे अंत में शहरों को जल प्रदाय किया जाता है। इस कार्य को पूरा करने के लिये ग्रामवासी उच्चकोटि के जलग्रहण विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित करते हैं, जिनमें छोटे-छोटे एनीकट, तालाब और मृदा और जल-संरक्षण संरचनायें जैसे प्राकृतिक जलवायु समाधान शामिल हैं। इसके साथ ही जलग्रहण क्षेत्र के वनों और वनस्पतियों का संरक्षण भी किया जाता है। यह भी एक उच्चकोटि का प्राकृतिक जलवायु समाधान है जिसमें कार्बन का संचय, जैव-विविधता का संरक्षण और लोगों की आजीविका का सुदृढ़ीकरण होता है।

स्वाभाविक है कि शहरों को पानी पीना है तो शहरवासियों को अपने बौद्धिक दिवालियापन को छोड़कर आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में तालाब व एनीकट जैसे बहुआयामी जीवनदायी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में स्वयं निवेश करना होगा। जहाँ से पानी आ रहा है, वहां के नागरिकों को जलग्रहण विकास के लिये मुआवजा देना अब दुनिया के बड़े शहरों की नई आर्थिक व्यवस्था है। हाल ही में हुये एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के 416 बड़े शहर यही कर रहे हैं जहाँ कुल मिलाकर 25 बिलियन डॉलर से अधिक का लेन-देन हो रहा है। दरअसल अब पूरी दुनिया में जलग्रहण सेवाओं में निवेश बढ़ रहा है। डाउनस्ट्रीम शहर में पानी के उपयोगकर्ता, पेयजल की रक्षा करने वाले कार्यों के लिये अपस्ट्रीम वाटरशेड सेवा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान करते हैं। ऐसे कार्यक्रम 4.3 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा वाटरशेड क्षेत्रों में 170 मिलियन डॉलर के निवेश से चल रहे हैं। इन कार्यक्रमों से 230 मिलियन से अधिक लोगों को साफ़ पानी प्राप्त हो रहा है (देखें, नेचर कम्युनिकेशंस, 2018, 9:4375)।

वर्षा-जल संग्रह की छोटी संरचनायें क्लाइमेट चेंज के युग में कार्बन-संचय में भी बड़ा काम करती हैं।

दुनिया भर में इस प्रकार के तालाब, एनिकट, पोंड्स या इम्पाउंडमेंट प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। अध्ययन बताते हैं कि 500 मिलियन ऐसी छोटी जल संग्रह संरचनायें दुनिया भर में मौजूद हैं। जितना जैविक कार्बन दुनिया के इन 500 मिलियन छोटे तालाबों और खेत-तलाइयों में सालाना जमा होता है, वह विश्व के सभी महासागरों में सालाना जमा होने वाले जैविक कार्बन से ज्यादा है। पूरी दुनिया के आंकड़े जोड़ने पर ज्ञात होता है कि प्राकृतिक झीलों में जहाँ कुल 30 से 70 टेराग्राम कार्बन सालाना जमा होता है, वहीं इन तालाबों, एनिकट आदि में 150 से 220 टेराग्राम कार्बन सालाना जमा होता है। हालांकि जैविक कार्बन के वर्तमान कुल संग्रहण (1000 से 4000 टेराग्राम कार्बन सालाना) की तुलना में यह दर मामूली है, परन्तु यह दर दुनिया भर के महासागर के तलछट में जैविक कार्बन के कुल भंडारण--120-240 टेराग्राम कार्बन सालाना--से अधिक हैं। इन संरचनाओं में ऑर्गनिक कार्बन के जमा होने की दर अधिक से अधिक 17,000 ग्राम कार्बन प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष से लेकर कम से कम 148 ग्राम कार्बन प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष हो सकती है। रोचक बात यह है कि छोटी जल-भराव संरचनाओं में यह दर तुलनात्मक रूप से अधिक थी (देखें, ग्लोबल बायोजियोकेमिकल साइकल्स, 2008, 22:जीबी1018)।

जलग्रहण क्षेत्र विकास एवं पेमेंट फॉर एनवायरमेंटल सर्विसेज के उपरोक्त सिद्धांत, जिनकी चर्चा आज यहां की गई है, को राजस्थान के प्रत्येक शहर में लागू करना अनिवार्य है। आने वाला समय उस परस्पर आर्थिक समन्वय से होने वाले विकास का है, जिसमें शहर और गांव एक दूसरे की मदद करते हुये

परस्पर सतत विकास में योगदान दें। हालांकि दुनिया में इस प्रकार की तमाम व्यवस्थायें खड़ी हो चुकी हैं, परंतु अभी हम सो रहे हैं। हमें गहरी नींद से जागना होगा। विशेषकर हमारे उन इंजीनियर्स को जिन्हें केवल बड़े बांधों में ही भारत का आर्थिक-सामाजिक मोक्ष दिखाई देता है। बड़े बांध उपयोगी हैं, लेकिन उनकी सतत उपयोगिता बनाये रखने के लिये छोटे तालाब, खेत तलाई और एनीकट और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मध्य प्रदेश में पूर्व रीवा रियासत को बघेलखंड के नाम से पहचाना जाता है। यहाँ गांवों में लगभग 5000 तालाब हैं, जो कम से कम 200 वर्षो से लेकर 2000 वर्ष तक पुराने हैं। इन सब की पाल पर वृक्षों और वनस्पतियों के उगाने की परम्परा भी आज तक जीवित है। खेत, तालाब और तालाब की पाल पर वृक्षों की कतारें और उनके ठीक नीचे आम का बगीचा! और उस बगीचे में एक देवस्थान! ऐसे तालाब आप सतना, रीवा, सीधी और शहडोल जिलों के किसी गाँव में देख सकते हैं। यह बघेलखंड का सिग्नेचर-लैंडस्केप है। बुंदेलखंड कहे जाने वाले क्षेत्र में भी यही स्थिति मिलती है। भारत में प्राचीन काल से जल प्रबंध एक पूर्ण वैज्ञानिक प्रक्रिया के द्वारा संचालित होता रहा है। जहाँ वर्षा जल संग्रह की तालाब, तलाई, बंधी, बंधुलिया आदि जैसी संरचनायें नष्ट हुई हैं, वहां भू-जल का स्तर तेजी से नीचे गिरा है। तालाब (सतही जल) और कुआँ (भूजल) स्तर के बीच पक्की और मजबूत परस्पर क्रिया पाई जाती है। इसलिये, तालाब और कुयें दोनों को पूरक संरचनाओं के रूप में देखा और प्रयुक्त किया जाना चाहिये। सोलर वाटर पंप भी ऐसी ही पूरक संरचना है। हाइड्रोलॉजिकल संतुलन बनाये रखने व स्थायी रूप से जल संसाधनों का उपयोग और प्रबंधन करने के लिये तालाब एक विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता हैं।

आज का मूल सन्देश यह है कि भारत के प्रत्येक तालाब का संरक्षण और सुधार अनिवार्य है। इस दिशा में भारत सरकार का वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा सभी राज्य सरकारों के वन एवं पर्यावरण विभागों द्वारा प्राकृतिक जलवायु समाधान की दिशा में गहरी प्रतिबद्धता दर्शित की गई है।

इस दिशा में प्रथम चरण में द नेचर कंजर्वेन्सी और टेरी स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज के सहयोग से भारत के विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक जलवायु समाधानों पर 16 राउंडटेबल्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार के सहयोग से दो राष्ट्रीय कार्यशालाएं भी प्रस्तावित हैं। आशा की जाती है कि ऐसे नवाचारों द्वारा उपलब्ध ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी जो इस ज्ञान का प्रयोग जमीन पर प्राकृतिक जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन हेतु कर सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

"प्राण जाई पर वचन नहीं" के प्रेरक व ग्रामीणों के जननायक लोक देवता तेजाजी

डॉ. जे.के. गर्ग

रणबाकुरें की जन्म भूमी के लोक-नायक की जीवन-यात्रा एक नितान्त साधारण मनुष्य के रूप में शुरू हुई और वे किसी-न-किसी तरह के असाधारण घटनाक्रम में पड़ कर एक असाधारण मनुष्य और लोक देवता में रूपान्तरित हो गये। मान्यता है कि सर्पदंश से बचने के लिए वीर तेजाजी का पूजन किया जाता है। गाँव का चबूतरा वीर तेजाजी का थान कहलाता है सांप के ज़हर के तोड़ के रूप में गौ मूत्र और गोबर की राख के प्रयोग की शुरूआत सबसे पहले वीर तेजाजी माहराज ने की थी। मान्यताओं के मुताबिक जब किसी को सर्प दंश हो तो भोपे में तेजाजी की आत्मा आ जाती हैं और वह जहर चूसकर सर्प दंश से पीड़ित व्यक्ति को ठीक कर देती है। इसलिए भोपे को तेजाजी का घोड़ला भी कहा जाता है। वीर तेजाजी महराज को 'काला और बाला का देवता' साँपों का देवता, धोलियावीर एवँ गायों का मुक्तिदाता तथा कृषि कार्यों का उपकारक देवता कहा जाता है। जाट लोग भगवान शिव को तेजाजी के नाम से जानते हैं। दी इलस्ट्रेटेड वीकली आफ़ इंडिया के 28 जून 1971 के जाट विशेषांक अनुसार जाट लोगों के घरों तेजा मंदिर हुआ करते थे। अनेक शिवलिंगों में एक तेज लिंग भी होता है जिसके जाट लोग उपासक थे। वीर तेजाजी महाराज के लिये रचित लोक साहित्य को 'तेजा टेर/तेजा गीत' कहा जाता है। तेजाजी की स्मृति में 2011 पांच रुपये की डाक-टिकट जारी किया गया था। "प्राण जाये पर वचन नहीं जाए" का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले तेजाजी राजस्थान उत्तरप्रदेश मध्यप्रदेश गुजरात एवं पंजाब के भी लोक-नायक हैं। रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाये पर वचन नहीं जी का पालन करते हुए तेजा जी का बलिदान आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है तेजाजी के निर्वाण दिवस भाद्रपद शुक्ल दशमी को प्रतिवर्ष तेजा दशमी के रूप में मनाया जाता है। भक्त तेजाजी के मन्दिरों में जाकर पूजा-अर्चना करते हैं और दूसरी मन्नतों के साथ-साथ सर्प-दंश से होने वाली मृत्यु के प्रति अभय भी प्राप्त करते हैं। किद्विन्तियो और लोक मान्यता के मुताबिक उन्हें भगवान शिव का ग्यारहवां अवतार माना जाता है। तेजाजी की कर्मस्थली तथा प्रमुख तीर्थस्थल बूंदी का बासी दुगारी क्षेत्र है। वीर तेजाजी माहराज का पूजन पर्व भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन तेजा दशमी के रूप में मनाया जाता है। मध्यप्रदेश और राजस्थान उत्तरप्रदेश मध्यप्रदेश पंजाब हरियाणा के गांव-गांव में तेजा दशमी मनाई जाती है। इस दिन अनेक जगहों पर तेजाजी के मंदिरों में मेले का भी आयोजन किया जाता है। वीर तेजाजी के वंशज मध्य भारत के खिलचीपुर से आकर मारवाड़ में बस गये थे। नागवंश के धवलराव अर्थात धौलाराव के नाम पर धौल्या गौत्र शुरू हुआ। तेजाजी के पूर्वज उदयराज ने मारवाड़ के खड़नाल परगने में 24 गांव पर कब्जा कर खड़नाल को अपनी राजधानी बनाया।

तेजाजी का जन्म विक्रम संवत 1130 माघ सुदी चौदस (गुरुवार 29 जनवरी 1074, अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार) के दिन खरनाल में हुआ था। उनके पिता राजस्थान में नागौर जिले के खरनाल के मुखिया ताहड़ जी थे। तेजाजी के माता और पिता भगवान शिव के उपासक थ तेजाजी माहराज का विवाह बचपन में ही पनेर गांव में रायमल जी की पुत्री पेमल के साथ पुष्कर अजमेर में हो गया था उस वक्त तेजाजी की उम्र मात्र 9 महीने थी और पेमल जी उम्र 6 महीने थी। दोनों परिवारों में अनबन हो जाने की वजह से तेजाजी उनके पेमल के साथ शादी के बारे में कई सालो तक नहीं बताया गया।

उस वक्त गावं में परंपरा थी की वर्षा होने पर कबीले के मुखिया सबसे पहले खेत में हल जोतने की शुरुआत करते थे और उसके बाद ही गावं के अन्य किसान हल जोतते थे। अपने पिता और बड़े भाई की अनुपस्तिथी के कारण तेजाजी खेतों में पहुँच कर हल चलाने लगे, काम करते करते दोपहर हो गई एवं तेजाजी भूख से परेशान होकर भोजन लेकर आने वाली अपनी भाभी का इंतजार करने लगे उनका खाना ले कर खेतो पर पहुची अपनी भूख से परेशान तेजा ने उन्हें उलाहना दिया जिस से भाभी अपना आपा खो बेठी और उन्हें तंज मारते हुए बोली अगर आपको समय पर खाना चाहिये तो तुम अपनी बीबी पेमल को उसके पीहर से क्यों नहीं ले लाते ? भाभी की बातें सुन कर तेजा को विश्वास ही नहीं हुआ कि उनकी शादी हो चुकी है और वें तिलमिलाते हुए घर आ कर माँ से पूछा मेरी शादी कहाँ कब और किसके साथ हुई? माँ ने उन्हें कहा तुम्हारा ससुराल पनेर में रायमल जी के घर है और तुम्हारी पत्नी का नाम पेमल है।

तेजा ससुराल जाने को आतुर हो गये तब तेजाजी की को उलाहना देते हुए बोली भाभी बोली अपनी दुल्हन पेमल को घर पर लाने अपनी बहन राजल को तो उसके ससुराल से ले आओ पीहर लेकर आओ और उसके यहाँ आने के बाद पेमल को लेने अपने ससुराल जाना। तेजाजी अपनी बहन राजल को लिवाने उसकी ससुराल के गांव अजमेर के पास तबीजी से ले आये तेजाजी ने अपनी माँ और भाभी से पनेर जाने की इजाजत लेकर वे एक दिन सुबह ही अपनी पत्नी पेमल को लेने के निकल पड़े अपनी ससुराल पनेर आ गये थे।

अपने ससुराल किसी बात वे पेमल के माता पिता से नाराज तेजाजी वहाँ से वापस लौटने लगे तभी ही पेमल ने अपनी सहेली लाछा गूजरी को संदेश दे कर भेजा अगर वो मुझे खरनाल नहीं ले जाएगें तो मे जहर खा कर मर जाऊंगी मैंने इतने वर्ष आपके इंतजार में निकाले है मैं आपके चरणों में रह कर आपकी सेवा करुगी। रूपवती पेमल की व्यथा देखकर तेजाजी उसे अपने साथ ले जाने को राजी हो गये और उससे बात करके अपने साथ चलने को कहा, तभी एकाएक वहां लाछां ने आकर कहा कि मेर के मेणा डाकू उनकी गायों को चुरा कर ले गए हैं, इसलिए तेजा जी आप मेरी गायों को डाकुओं से छुड़ा कर लायें। तेजाजी गायों को लाने के अपने पांचों हथियार लेकर अपनी घोडी लीलण पर सवार हुए। रास्ते में उन्हें एक इच्छाधारी काला नाग आग में जलता हुआ दिखाई दिया तेजाजी ने तुरंत अपने भाले से नाग को आग से बाहर निकाला। नाग उन्हें धन्यवाद देने बजाय क्रोधित होकर बोला क्योंकि तुम मेरी मुक्ति में बाधक बने हो इसलिए मे तुमको डसूंगा। तेजाजी बोले नागराज मरते डूबते और जलते हों को बचाना मानव का धर्म है।

तेजाजी ने प्रायश्चित स्वरूप नागराज की बात मान ली और नागराज को वापिस लौट आने का वचन देकर सुरसुरा की घाटी में पहुंचें जहाँ मंदारिया की पहाड़ियों में डाकुओं के साथ उनका भंयकर संघर्ष जिसमें तेजाजी के शरीर पर अंको गहरे घाव हो गये और वो लहूलुहान हो गये लडाई मे अनेको डाकू मारे गये इव बाकी के डाकू भाग गये। वादा पूरा करने के लिये तेजा जी नाग राज के पास जाकर उस डसने के लिय अपने को प्रस्तुत कर दिया। लहूलुहान तेजाजी देख कर नागराज बोले तेजा तुम्हारे रोम रोम से तो खून टपक रहा है, में तुम्हें कहाँ डसू। तेजाजी बोले कि मेरे हाथ की हथेली व जीभ पर कोई घाव नहीं है इसलिए आप यहाँ डसं लें। नागराज बोला तुम शूरवीर होने के साथ साथ अपने वचन के पक्के भी हो तुम्हारी सच्चाई के सामने में हार गया हूँ। में तुम्हें वरदान देता हूँ कि तुम अपने कुल के एक मात्र देवता बनोगे। आज के बाद काला सर्प का काटा हुआ कोई व्यक्ति यदि तुम्हारे नाम की तांती बांध लेगा तो उसका जहर उतर जायेगा। तेजाजी ने कहा–नागराज आपको मुझे डसंना ही होगा। आखिर तेजाजी की जिद्द से हारकर तेजाजी की जीभ पर डस लिया।

अपने जीवन का अंत नजदीक देखकर सत्यवादी तेजा जी ने पास में खडी ऊंट चराने वाले रबारी आसू देवासी को कहा भाई मेरा प्रभु के परम धाम जाने का समय आ गया है। मेरी पत्नीं पेमल को मेरा रुमाल देकर कहना कि मेरे देव भगवान शिव मुझे बुला रहे है। तेजाजी की हालत को देख कर उनकी घोड़ी लीलण की आँखों से आंसू की अविरल गंगा बहाने लगी, उसे तेजा जी ने आदेश दिया के गंगा जल से परिवार के लोग और पेमल को मेरा हाल बता देना। तेजाजी के बलिदान का समाचार सुनकर पेमल की आँखें पथरा गई उसने मां से नारियल माँगा, सौलह श्रृंगार किये, परिवार जनों से विदाई लेकर सुरसुरा (किशनगढ़ के समीप) जाकर अपने सत्यवादी पति के साथ सती होने का निश्चय कर लिया। कहते हैं कि चिता की अग्नि स्वत: ही प्रज्वलित हो गई थी लोगों ने पूछा कि सती माता तुम्हारी पूजा कब और कैसे करें तब सती पेमल ने बोला भादवा सुदी नवमी की रात्रि को तेजाजी धाम पर जागरण करना और दसमी को तेजाजी के धाम पर उनकी देवली को धौक लगाना, कच्चे दूध का भोग लगाना ऐसा करने से आप की सारी मनोकामनाये पुरी होगी।

मान्यताओं के अनुसार तेजा जी की बहिन राजल भी खरनाल के पास जोहड़ में सतीहो गई थी। भाई के पीछे सती होने का यह अनूठा एक मात्र उदाहरण है। राजल बाई का मंदिर खरनाल में गाँव के पूर्वी जोहड़ में है जिसे बांगुरी माता का मंदिर कहते हैं। तेजाजी की प्रिय घोड़ी लीलण ने भी अपना शारीर छोड़ दिया। लीलण घोड़ी का मंदिर आज भी खरनाल के तालाब के किनारे पर बना हुआ है।

डाक विभाग ने 7 सितंबर 2011 को तेजाजी के सम्मान में एक विशेष डाक टिकट जारी किया था। 25 सितम्बर 2023 सोमवार को तेजा जी के भक्त तेजा जयंती धूमधाम के साथ मनायेंगे।

–डॉ. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कॉलेज शिक्षा जयपुर

सभी जीवों के कल्याण में मानव मात्र का कल्याण निहित है : राज्यपाल मिश्र

पाली, (निसं)। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति और समाज में गुरू और गाय का स्थान अत्यंन्त महत्वपूर्ण है। गाय भारतीय संस्कुति में पूजनीय है। भारत में हमारे भगवान श्री कृष्ण और भगवान शंकर ने नन्दनि और नन्दी को महत्व दिया है जिसमें इन गौवंश को अहम स्थान दिया गया है। राज्यपाल शनिवार को पाली में रूप रजत विहार में रूप रजत विशिष्ट अथितिगृह व वाचनालय के उद्घाटन अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

- **'भारतीय संस्कृति और समाज में गुरू और गाय का स्थान अत्यंन्त महत्वपूर्ण'**
- **पाली में रूप रजत विहार में रूप रजत विशिष्ट अथितिगृह व वाचनालय का उद्घाटन किया**

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रूप रजत विहार में वाचनालय व अथितिगृह का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी जीवों के कल्याण में मानव मात्र का कल्याण निहित है। उन्होंने उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि संत महात्माओं के चिंतन को आगे बढ़ाएं और उनके सेवा संकल्पों से समाज को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि वैदिक काल से गौ माता सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग रही है। गाय में गुणों की कोई सीमा नहीं होती है। प्राचीन काल में गुरुकुल में शिक्षार्थियों को गाय को गौ माता के रूप में ही बताया जाता था। भगवान श्री कृष्णा भी स्वयं को गोपालक कहते थे।

उन्होंने कहा कि गाय का रोम रोम दो देव तुल्य है इसलिए गौ पूजा सर्व देव पूजा है। जहां गोवर्धन संरक्षण के लिए दान दिया जाता है वह समाज उन्नित और प्रगति को प्राप्त करता है और जो व्यक्ति सेवा भाव में होता है वह कभी हिंसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मनुष्य बनने का अर्थ मानवीय मूल्यों से ओत प्रोत व्यक्तित्व है। मिश्र ने कहा कि सभी जीवों के कल्याण में मानव मात्र का कल्याण निहित है यही सनातन है। उन्होंने सभा में उपस्थित भामाशाहों की तारीफ करते हुए कहा कि आप सभी का योगदान समाज में अनुकरणीय है हम सभी मिलकर भारत को शिखर बनाने का संकल्प ले यही आव्हान करता हूं। उन्होंने कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया तथा उपस्थित भामाशाहों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर रूप रजत बिहार के अध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सज्जन राज गुलेचा, राजेंद्र जैन संपत राज लादूराम लोढ़ा सदस्यों ने राज्यपाल राज्यपाल का बहूमान किया।

इससे पहले पाली आगमन पर राज्यपाल कलराज मिश्र को हेलीपैड पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया व जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत व आगवानी की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, विधायक पाली ज्ञानचंद पारख, सांसद पीपी चौधरी, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, पुलिस महानिरीक्षक राघवेंद्र सुहासा, जिला कलेक्टर नमित मेहता, जिला पुलिस अधीक्षक गगनदीप सिंह सिंगला, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन डॉ. राजेश गोयल सहित अन्य उपस्थित रहे।

मोबाइल टावर लगाने का लोगों ने विरोध किया

अजमेर, (कासं)। वैशाली नगर, आरपीएससी अमरदीप कॉलोनी में ही रहने वाले रविन्द्र सिंह चौहान के आवासीय परिसर में लगे मोबाइल टावर का क्षेत्रवासियों ने विरोध कर प्रदर्शन किया। शनिवार को क्षेत्रवासियों ने वैशाली नगर, अमरदीप, आरपीएससी कॉलोनी में रविंद्र सिंह चौहान के मकान के बाहर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि आवासीय परिसर में निजी मोबाइल टावर लगाकर आसपास के लोगों के जीवन को खतरे में डालकर धमकाने का कार्य किया जा रहा है। यह टावर उनके निजी आवास पर कल रात अचानक रातों-रात लगा दिया गया और क्षेत्रवासियों को इसकी तक भनक नहीं लगने दी।

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि रविंद्र सिंह चौहान से जब इसके बारे में बात की तो उसने लोगों को डराया धमकाया तथा साथ ही कहा कि यह टावर तो लगेगा, जिसमें हिम्मत है, वह इसको हटवाले ले। इस बात को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। इस बात को लेकर आरपीएससी अमरदीप कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि कलेक्टर व नगर निगम के सीईओ तथा क्षेत्रीय विधायक वासुदेव देवनानी से संपर्क किया जाएगा। टावर के विरोध प्रदर्शन के दौरान आरपीएससी अमरदीप कॉलोनी के अध्यक्ष आनंद माथुर, महामंत्री दिनेश पाराशर, राजेश्वर अरोड़ा, नरेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र भटनागर, गोपाल माथुर, मिश्रीलाल जैन, नंदलाल अनिता तथा क्षेत्र की महिलाओं ने नाराजगी जताई।

राशिफल रविवार 24 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 1:42 तक, शोभन योग सांय 6:39 तक, कौलव करण दिन 10:29 तक, चन्द्रमा आज सांय 7:18 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:42 से सूर्योदय तक तक है। आज मंगल पश्चिम में सांय 5:31 पर होगा। आज श्री हरि जयन्ती, श्री चन्द्र नवमी (उदासीन सम्प्रदाय), अ:दुख नवमी, तल नवमी, सुगन्ध धूप नवमी, दशावतार जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:49 से 9:14 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:19 तक, शुभ 1:49 से 3:19 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:10 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:18

मेष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। परिवार में आपसी वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में प्रगति होगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय दूर होगा। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेगा।

सिंह
आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। घर- परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। मानसिक तनाव बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में चल रहे आपसी वाद-विवाद समाप्त होंगे।

मीन
महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 24 सितम्बर, 2023

आखिरी सप्ताह
30 सितम्बर को फिर से
5% रेट बढ़ेगी

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक
50% रेट बढ़ेगी

1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट NPO New Product Offer	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

कांग्रेस की फ्लॉप सभा, भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की सफलता पर मुहर लगा रही है : राजेन्द्र राठौड़

- **चुनावी वर्ष में राजस्थान आए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने एक बार फिर देश को बांटने की निम्न स्तर की राजनीति के नाम पर जहर घोलने का काम किया। महिला आरक्षण, जातिगत जनगणना और ओबीसी समुदाय को लेकर तथ्यहीन व भ्रामक बातें कही : नेता प्रतिपक्ष**
- **'राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में किसान कर्जमाफी का वादा करके धोखे से राजस्थान में सत्ता हासिल की थी, आज तक उनके 10 दिन पूरे नहीं हुए क्या? राजस्थान के किसानों की जमीनें नीलाम होना कब बंद होंगी और कब उनका कर्जा माफ होगा'**

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि जयपुर में कांग्रेस के नए मुख्यालय भवन के शिलान्यास में पहुंचे कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने चुनावी वर्ष में एक बार फिर राजस्थान की धरा से देश को बांटने की निम्न स्तर की राजनीति के नाम पर जहर घोलने का काम किया है और महिला आरक्षण, जातिगत जनगणना और ओबीसी समुदाय को लेकर तथ्यहीन व भ्रामक बातें कही है। जबकि कांग्रेस ने देश में 50 साल से ज्यादा समय तक शासन किया तो फिर 1931 के बाद जातीय जनगणना क्यों नहीं करवाई? सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे के भाषण के समय खाली कुर्सियों का नजारा कांग्रेस सरकार के डिलीट होने पर मुहर लगा रहा है। कांग्रेस की फ्लॉप सभा भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की सफलता पर मुहर लगा रही है।

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत रिजर्वेशन देने वाला नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित हुआ लेकिन दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी इसे भी अब राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं। ओबीसी समुदाय के कथित पैरोकार बने राहुल गांधी यह कैसे भूल गये हैं कि काका कालेकर कमीशन की रिपोर्ट को दबाना हो या फिर मंडल आयोग की सिफारिशों को रोकना हो, कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी समाज का अपमान किया है। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा भी कांग्रेस ने नहीं बल्कि वर्ष 2018 में मोदी सरकार ने ही दिया था।

राठौड़ ने कहा कि विधानसभा चुनाव वर्ष 2018 के समय राहुल गांधी ने किसानों के 10 दिन में कर्जमाफी की बात कही थी। 2018 के चुनाव के बाद 2023 का चुनाव भी आ गया। कांग्रेस ने किसानों के साथ धोखा करके सत्ता का सुख भी भोग लिया। अब प्रदेश का बेबस व ठगा हुआ किसान यही पूछ रहा है कि राहुल गांधी जी आपके 10 दिन कब पूरे होंगे? किसानों से किया कर्जमाफी का वादा कब पूरा होगा ? किसानों की जमीनें नीलाम होना कब रुकेगी ? किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली कब मिलेगी ?

राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी अपने भाषणों में अडानी समूह पर लगातार आरोप लगाते हैं, वहीं दूसरी ओर राजस्थान में उनकी कांग्रेस सरकार के मुखिया अडानी समूह को बार-बार उपकृत कर कभी कोयला खरीद तो कभी सोलर पावर प्रोजेक्ट के लिए बेशकीमती जमीनें दे रहे हैं, बड़े-बड़े प्रोजेक्ट सौंप रहे हैं। राहुल गांधी को जवाब देना चाहिये कि अशोक गहलोत का अडानी समूह के साथ यह रिश्ता क्या कहलाता है ? राठौड़ ने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी स्वयं को सबसे बड़े महिला हितैषी बताते हैं लेकिन जब राजस्थान में महिलाओं के साथ दुष्कर्म व अपराधों की बात आती है तो कांग्रेस नेताओं को सांप सूंघ जाता है। राहुल गांधी ने मणिपुर की घटना को राजनीतिक रंग देने में कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन प्रदेश में बहन-बेटियों के ऊपर हो रहे सर्वाधिक दुष्कर्म को लेकर एक शब्द भी नहीं कहा। इसके विपरीत जब कांग्रेस सरकार में तत्कालीन सैनिक कल्याण राज्य मंत्री ने महिला दुष्कर्म को लेकर सच्चाई बतानी चाही तो उन्हें मंत्रिमंडल से ही बाहर कर दिया गया।

राठौड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार पर दलित और आदिवासियों का अनर्गल आरोप लगाने से पहले प्रदेश में दलितों और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार पर नजर डालनी चाहिये। एनसीआरबी के आंकड़ों में आज राजस्थान दलित व आदिवासी अत्याचारों में देश में दूसरे पायदान पर है। प्रदेश में आदिवासियों के साथ राज्य सरकार अन्याय और उत्पीड़न की सारी सीमाएं पार कर चुकी है। आदिवासी आंचल में बच्चियों की तस्करी हो रही है और बेखौफ बदमाशों द्वारा गाडियों से कुचला जाता है। दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी ने लचर कानून व्यवस्था के साथ ही महंगी बिजली, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, बेरोजगारी व तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर भी कुछ नहीं कहा।

सेंट्रल पार्क में गांधी वाटिका का उद्घाटन

जयपुर, (का.सं.)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार शाम जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया।

इसके बाद तीनों नेताओं ने देशभर से आए 200 से अधिक प्रख्यात गांधीवादियों को संबोधित किया। इस दौरान खड़गे, राहुल गांधी एवं मुख्यमंत्री ने गांधी वाटिका का अवलोकन किया तथा वहां आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

खड़गे ने कहा कि गांधीजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की यह पहल सराहनीय है। अन्य राज्यो को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि गांधीजी को एक व्यक्ति के रूप में ना देखकर जीवन जीने के तरीके के रूप में देखना चाहिए। जीवन में भय का स्थान नहीं होना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी को गांधीजी के जीवन से डर का सामना करने की सीख लेनी चाहिए।

राधाष्टमी पर गोविंददेवजी मंदिर में छाया उल्लास

तिथि पूजन, अधिवास, छप्पन भोग झांकी समेत कई आयोजन हुए

जयपुर (कासं)। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी शनिवार को राधा किशोरीजी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में जन्माभिषेक के बाद बधाईगान और उछाल हुई। मुख्य आयोजन गोविंद देवजी मंदिर में हुआ।

राधा जन्म की बधाई संदेश और फूलों से सजे जगमोहन में शनिवार को राधाष्टमी के कारण पैर रखने की भी जगह नहीं बची। हरिनाम कीर्तन और राधा रानी के जयकारों से जगमोहन गूंजायमान होता रहा।

सुबह मंगला झांकी के बाद तिथि पूजन किया गया। इसके बाद मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी और प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने प्रियाजी का 60 लीटर दूध, 40 किलो दही, दो किलो घी, पांच किलो बूरा, बीस किलो शहद से तैयार पंचामृत से अभिषेक किया गया। नवीन पीत पोशाक धारण कराकर विशेष अलंकार धारण कराए गए। पंजीरी, लड्डू, मावे की बर्फ, और पंजीरी का भोग लगाया गया। सुबह धूप झांकी खुलने पर ठाकुर जी का अधिवास पूजन किया गया। छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। श्रृंगार आरती के बाद राधारानी को कपड़े, फल, टॉफी, सहित अन्य सामान अर्पित कर उछाल की गई। शाम को फूल बंगला झांकी सजाई गई। गौर गोविंद महिला मंडल की ओर से भजन कीर्तन किया गया। इसी प्रकार पुरानी बस्ती स्थित राधा गोपीनाथ, चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर, मदन गोपाल, चांदनी चौक स्थित आनंद कृष्ण बिहारी सहित अन्य वैष्णव मंदिरों में भी राधाष्टमी धूमधाम से मनाई गई। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित शुक संप्रदाय की आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में राधाष्टमी भक्तिभाव से मनाई गई। सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि इस मौके पर किशोरजी का पंचामृत से जन्माभिषेक कर ऋतु पुष्पों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद बधाइगान, नृत्य और उछाल हुई। रामगंज बाजार के लाड़लीजी मंदिर में महंत संजय गोस्वामी के सान्निध्य में राधाजी का पंचामृत अभिषेक कर पलना झांकी सजाई गई।

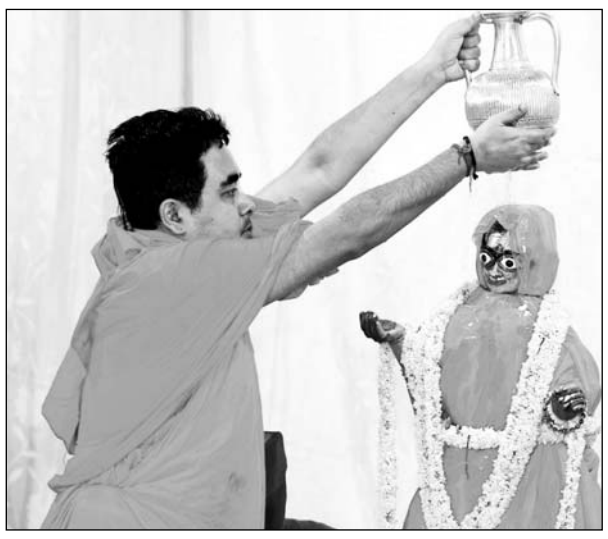

गोविंददेवजी मंदिर में शनिवार को राधाजी के जन्मोत्सव पर अभिषेक और विधिवत पूजा-अर्चना की गई

पडौसी ने युवक के सिर में गोली मारी

जयपुर। करधनी इलाके में पडौसी द्वारा युवक के सिर में गोली मारने की वारदात सामने आयी है। पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर हत्या के प्रयास की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच करने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि सीकर जिले के मूल निवासी महेश कुमार के साथ यह घटना हुई। महेश का करधनी इलाके में भी मकान है और वहां वह अपनी पत्नी के साथ रहते है। कुछ दिन के लिए महेश किसी काम से सीकर अपने गांव आया था और उसके बाद 20 सितंबर को ही रात को वापस अपने घर पहुंचा था। पत्नी ने आते ही पति को पडौसी जनार्दन के बारे में जानकारी दी और कहा कि उसने छेड़छाड़ की। जनार्दन ने पडौसी का जोर-जोर से गेट बजाया और गंदी गालियां दी। मौहल्ले के लोग जमा हो गए तो जनार्दन वहां से चला गया था। इस पूरे घटनाक्रम के बारे में 20 सितंबर की रात महेश अपने कुछ परिचितों को लेकर जनार्दन के घर गया और विरोध दर्ज कराया तो जनार्दन ने गुस्से में महेश के सिर में गोली मार दी। गोली लगने से महेश वहीं बेहोश होकर गिर गया, जिसका उपचार जारी है।

चीफ इंजीनियर समेत दो की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर (कासं)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने पीडब्ल्यूडी में संस्थागत भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में विभाग के तत्कालीन चीफ इंजीनियर सुबोध मलिक व एक्सईएन जितेन्द्र कुमार जैन की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है और आरोपियों को इस स्तर पर जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

मलिक की ओर से कोर्ट में जमानत अर्जी दायर कर कहा है कि उसे केस में झूठा फंसाया है। उसके पास किसी भी व्यक्ति का कोई भी काम लंबित नहीं था और उसने किसी से रिश्वत भी नहीं मांगी है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं एक्सईएन जैन की ओर से भी कोर्ट से जमानत पर रिहा करने का आग्रह किया। इसके विरोध में एसीबी की ओर से कहा गया कि मामले में अनुसंधान जारी है और इस स्तर पर आरोपियों को जमानत देने से मामले की जांच प्रभावित होगी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर मलिक व जैन की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि एसीबी ने मामले में पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन जितेन्द्र कुमार जैन की ओर से किए गए फर्जीवाड़े पर कार्रवाई नहीं करने की एवज में 10 लाख रुपए रिश्वत लेने के मामले में मलिक, जैन व बिचौलिए एक्सईएन अनंत गुप्ता को गिरफ्तार किया था।

बदमाशों ने मारपीट कर बाइक छीनी

जयपुर । चित्रकूट इलाके में अज्ञात बदमाश एक युवक से मारपीट कर उसकी बाइक छीनकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की जानकारी तुरन्त पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने आसपास के इलाके में नाकाबंदी भी कराई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रहीं है। पुलिस के अनुसार गोविंद नगर-डी बैनाड रोड निवासी दीपेश गुप्ता ने मामला दर्ज कराया है कि 21 सितंबर की रात करीब पौने 10 बजे वो बाइक से घर लौट रहा था। शेल्बी हॉस्पिटल के पास वो थोड़ी देर के लिए रूक गया, तभी तीन बदमाश उसके पास आए और मारपीट करते हुए उसकी बाइक लेकर फरार हो गए।

अपहरण कर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 वर्ष की सजा

अदालत ने आरोपी पर 1.80 लाख रुपये का हर्जाना लगाया

जयपुर (कासं)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सत्यनारायण उर्फ सत्या को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने बीस वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख अस्सी हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा की पीडिता की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने पिता ने 5 जून, 2022 को तुंगा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी नाबालिग बेटी 2 जून की रात को घर से गायब हो गई। उसे शक है कि कोई व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। काफी तलाश करने के बाद भी पीडिता की जानकारी नहीं मिल रही है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। वहीं अभियुक्त को मामला दर्ज होने की जानकारी मिलने पर वह पीडिता को 16 जून को घर के पास छोडकर भाग गया। पुलिस ने इसी दिन अभियुक्त को कानोता से गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला कि अभियुक्त ने पीडिता को कानोता में किराए के कमरे में रखा था और मकान मालिक को पीडिता को अपनी पत्नी बताया था।

डीजीपी ने किया 16 पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला

जयपुर । पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने शनिवार रात को पुलिस उपाधीक्षक स्तर के 16 अधिकारियों के तबादले किए है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्मिक संजीव कुमार नार्जारी ने आदेश जारी किए है।

आदेश के अनुसार आरपीएस रुपसिंह को वृत्ताधिकारी कुशलगढ़ बांसवाड़ा, किशोरी लाल को वृत्ताधिकारी रुपवास भरतपुर, विजय शंकर शर्मा को एसीपी एससी-एसटी सैल जयपुर कमिश्नरेट, सुरेश कुमार को वृत्ताधिकारी सीमलवाड़ा डूंगरपुर, अनीता मीणा को वृत्ताधिकारी बयाना भरतपुर, नितिराज सिंह को पुलिस उपाधीक्षक यातायात भरतपुर, राजेश कुमार टेलर को वृत्ताधिकारी भदेसर चित्तौड़गढ़, मंगलेश चुण्डावत को एसीपी यातायात पश्चिम जोधपुर कमिश्नरेट, उमेश गौतम को पुलिस उपाधीक्षक आरपीए जयपुर, भूराराम खिलेरी को एसीपी साइबर क्राइम पूर्व जयपुर कमिश्नरेट, रणवीर सिंह को पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम कोटा शहर, जेठाराम पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम उदयपुर, सांवरमल नागौरा को पुलिस उपाधीक्षक आरपीए जयपुर, चेतना भाटी को पुलिस उपाधीक्षक सीआईडी एसएसबी उदयपुर, निसार खान को पुलिस उपाधीक्षक लीव रिजर्व, सीआईडी-सीबी, पीएचक्यू जयपुर और महेश चंद्र मीणा को पुलिस उपाधीक्षक यातायात अलवर के पद पर लगाया गया है।

दो कांस्टेबल चार हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़े

जवाहर सर्किल थाने में कार्यरत हैं दोनों आरोपी, ए.सी.बी. ने दबोचा

- **पीड़ित के खिलाफ दर्ज एक केस में राजीनामा होने के बाद मामला रफा दफा करने के लिए 5 हजार रुपए मांगकर परेशान कर रहे थे**
- **दोनों पुलिसकर्मियों के घर व अन्य ठिकानों पर एसीबी की टीमें सर्च की कार्रवाई में जुटी**

जयपुर (कासं)। राजधानी के जवाहर सर्किल थाने की एक महिला और पुरुष कांस्टेबल को एसीबी की टीम ने चार हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी दोनों कांस्टेबल पीड़ित के खिलाफ एक केस में राजीनामा होने के बाद मामला रफा दफा करने के लिए 5 हजार रुपए मांग रहे थे।

एसीबी के एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि पीड़ित ने एसीबी को सूचना दी थी कि जवाहर सर्किल थाने में उसके खिलाफ एक केस दर्ज हुआ था। इसकी जांच महिला कांस्टेबल संगीता और वेदप्रकाश के पास थी। दोनों उसे बारी-बारी से फोन कर के पैसा मांग रहे थे, जबकि उसके खिलाफ जो मामला दर्ज हुआ उसमें दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया।

राजीनामा होने के बाद भी कांस्टेबल संगीता पीड़ित को बार-बार फोन कर के पैसों के लिए धमकी देती। संगीता के बाद वेदप्रकाश फोन करता, फिर धमकाता। इससे परेशान होकर परिवादी ने जवाहर सर्किल थाना सीआई विनोद को भी इसकी जानकारी दी। सीआई ने भी इस विषय को गम्भीरता से नहीं लिया। इस पर पीड़ित ने दोनों कांस्टेबल के खिलाफ एसीबी में शिकायत दर्ज कराई।

एसीबी ने पीड़ित की ओर से दी गई शिकायत का सत्यापन कराया। सत्यापन में दोनों कांस्टेबल 5 हजार रुपए के डिमांड करने लगे। उनका कहना है कि सारा पैसा उनके पास नहीं रहेगा। हम से भी बड़े अधिकारी हैं। पैसा उन्हें भी देना होता है। शिकायत का सत्यापन होने पर एसीबी ने शनिवार को महिला कांस्टेबल संगीता को तीन हजार और वेदप्रकाश को एक हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। दोनों पुलिसकर्मियों के घर और अन्य ठिकानों पर सर्च चल रही हैं।

बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल थाना इलाके में शुक्रवार देर रात कॉलोनी का गेट बंद करने की बात को लेकर कुछ बदमाशों की गार्ड से कहासुनी हो गई। बदमाशों ने गार्ड से बदला लेने के लिए बाइक पर आए कुछ बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंची घटना स्थल से तीन खाली खोल बरामद कर बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश करने में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात दुर्गापुरा स्थित सिंधी कॉलोनी में कॉलोनी का गेट बंद करने की बात को लेकर बाइक सवार दो लड़कों से गार्ड से कहासुनी हो गई थी। शोर -शराबे की आवाज सुन कॉलोनी के लोग भी अपने-अपने घरो से बाहर आ गए और दोनो लड़को की पिटाई कर दी। बदला लेने की भावना से रात करीब 1 बजे दोनो लड़के अपने साथी को लेकर बाइक से कॉलोनी में आए और गाली-गलौच कर हवाई फायर करना शुरू कर दिया। बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए 6-7 हवाई फायर किए। ताबड़तोड़ फायरिंग होते देख कॉलोनी में दहशत फैल गई। जिसे बाद लोग अपने-अपने घरों मे दुबके पडे रहे। कुछ देर बाद स्थानीय निवासियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए आसपास के इलाके में नाकाबंदी भी कराई। लेकिन अज्ञात बदमाशों का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा।

डॉ. एस.एम. शर्मा अध्यक्ष और डॉ. दीपक माहेश्वरी सचिव बने

- **कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के चुनाव हुए**

जयपुर (कासं)। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर के चुनाव में नई कार्यकारिणी घोषित की गई। नई कार्यकारिणी में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के कार्डियोलॉजी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. एस.एम. शर्मा को अध्यक्ष और डॉ. दीपक माहेश्वरी को सचिव चुना गया। चुनाव में सभी पदों पर नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई।

कार्यकारिणी में ईएसआईसी हॉस्पिटल के एचओडी कार्डियोलॉजी डॉ. गौरव सिंघल कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष डॉ. जीएल शर्मा और संयुक्त सचिव पद पर डॉ. दिनेश गौतम को चुना गया। डॉ. एस.एम. शर्मा ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्यों में उदयपुर से डॉ. मुकेश शर्मा, जोधपुर से डॉ. रोहित माथुर और जयपुर से डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़, डॉ. प्रदीप मीणा और डॉ. अशोक गोयल का चयन किया गया।

विहिप की शौर्य जागरण यात्रा आज जयपुर में

जयपुर (कासं)। देश में सनातन संस्कृति पर पर हो रहे हमलों, धर्मांतरण और लव जिहाद के खिलाफ 16 सितंबर को सालासर से शुरू हुई विश्व हिंदू परिषद की शौर्य जागरण यात्रा प्रदेश में हिंदुत्व की अलख जगाते हुए रविवार, 24 सितंबर को जयपुर पहुंचेगी। यात्रा के जयपुर पहुंचने पर अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में शाम चार बजे से हिंदू संगम कार्यक्रम होगा। इसमें विहिप के सभी प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। राजधानी के विभिन्न हिस्सों से बजरंग दल के कार्यकर्ता वाहन रैली के रूप में कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। शास्त्रीनगर के हेडगेवार सर्किल से तीन बजे वाहन रैली रवाना होगी। शनिवार को कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में भगवा झंडे सहित अन्य प्रचार सामग्री वितरित की। बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक राकेश कुमार ने बताया कि हिन्दू समाज की समस्याओं के सामने बजरंग दल हमेशा ढाल बनकर खड़ा हुआ है। हिंदू समाज के सोए हुए शौर्य को जगाने और हिंदू समाज में एक जोश पैदा करने के लिए यह शौर्य यात्रा निकाली गई। इसे निकालना बहुत जरुरी था। क्योंकि प्रदेश में षड्यंत्रपूर्वक हिन्दू समाज पर प्रहार किया जा रहा है, इसे रोकने के लिए आवश्यक है कि हिन्दू समाज संगठित शक्ति बनकर इन विघटनकारी समस्याओं से निपटे।

सार-समाचार

गौकृति गौमय कागज को दुबई में अवार्ड

जयपुर (कासं)। दुबई की इंटरकंटिन्यूऐंटल फेस्टिवल अरेना में आयोजित प्रोपेपर शो में गौकृति जयपुर को इको फ्रैंडली पेपर प्रोडक्ट्स के लिए अवार्ड से नवाजा गया। गौकृति गौमय कागज़ के अविष्कारक जयपुर के भीम राज शर्मा और सुरेश जांगिड़ को यह पुरस्कार पल्प एंड पेपर वरकअरब मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के डायरेक्टर अतुल कॉल ने भेंट किया। सुरेश जांगिड़ ने कहा कि यह गोबर और गौमाता के लिए एक बहुत बड़े सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि आज पेपर बनाने के लिए सबसे ज्यादा पेड़ काटे जाते है, जिस से पर्यावरण को ज्यादा नुकसान होता है, जबकि गौकृति गोमय कागज़ 100 प्रतिशत वेस्ट से बनता है, इस से पर्यावरण को 1 प्रतिशत भी नुकसान की संभावना नहीं है।

जमुवाय माता की पदयात्रा का स्वागत

जयपुर, (का.सं.)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज जमुवाय माता की विशाल 12 वी पदयात्रा जमुवाय सेवा समिति मीना वाला द्वारा निकाली गई, जिसका गली नंबर 5 सिरसी रोड पांच्यावाला पर पार्षद कुमकुम शक्तावत और टीम वार्ड 48 के द्वारा माता रानी को चुनरी ओढ़ा कर ओर माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। साथ में पद यात्रियों के लिए चाय और जल फल की व्यवस्था की गई। भाजपा नेता शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि जब भी हमारे क्षेत्र वार्ड 48 से कोई भी धार्मिक यात्रा निकलती हैं। हम उसका स्वागत सत्कार तहे दिल से करते हैं, चाहे वह किसी भी क्षेत्र से आ रही हो। इस मौके पर भुवनेश्वरी कंवर,कृष्णा कंवर,भंवर कंवर,सुमन कंवर,मंजू कंवर,नीरू कंवर, सुनीता शर्मा,गजेंद्र सिंह,गणपत सिंह, विक्रम सिंह,विनोद महला,धर्मेंद्र सिंह,हनुमत सिंह,बनवारी शर्मा, नंद सिंह,मदन सिंह,मूल सिंह, महिपाल सिंह,हाकम सिंह, हनुमान सिंह,किशोर सिंह,अजीत सिंह,अजय सिंह,महेंद्र सिंह,वीरेंद्र सिंह, भवानी सिंह आदि गणमान्य मौजूद रहे।

नेट थियेट पर सितार वादन की प्रस्तुति

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवर को युवा सितार वादक नरेंद्र कुमार योगी ने एकल सितार वादन कर अपनी उंगलियों का जादू बिखेरा। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि सितार के युवा कलाकार नरेन्द योगी ने सुप्रसिद्ध सितार वादक भारत रत्न पंडित रवि शंकर की राग परमेश्वरी के स्वर साधे तो दर्शक वाह वाह कर उठे। इस के बाद उन्होंने आलाप जोड़ के बाद एकताल की बंदीश मे सुन्दर ताने व लयकारी कर अपने वादन का सुन्दर प्रर्दशन किया। और अंत में तीन ताल मे द्रुत गत मे झाला बजाकर दर्शको की दाद पाई। नरेंद्र के साथ तबले पर उभरते युवा तबला वादक ज़ेयान हुसैन के तबले के साथ सितार की जुगलबन्दी सुन कर दर्शकों ने खूब सराहा कार्यक्रम में स्वदेश रसोई के निदेशक भूपेंद्र सिंह शेखावत ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी और गुलजार हुसैन, कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जिवितेश शर्मा की रही।

24 स्थानों पर गायत्री यज्ञ आज

जयपुर । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से मातृ श्रद्धांजलि-2026 अभियान के अंतर्गत रविवार को चांदपोल क्षेत्र में 24 स्थानों पर एक ही एक साथ गायत्री यज्ञ किया जाएगा। नव चेतना विस्तार केंद्र चांदपोल के तत्वावधान में सुबह नौ से दस बजे तक अलग-अलग 24 स्थानों पर सबकी सद्बुद्धि के लिए गायत्री यज्ञ किया जाएगा। इससे पूर्व चांदपोल बाजार के भिंडों का रास्ता स्थित गायत्री मूर्ति भंडार से जन जागृति रैली निकाली जाएगी। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा ने बताया कि जयपुर के विभिन्न चेतना केन्द्रों से यज्ञाचार्य और सहायक यज्ञ संपन्न कराएंगे। यजमानों को प्रतिदिन यज्ञ करने के लिए बलिवैश्व यज्ञ का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

हार्डवेयर-सेनेट्री की दुकान में चोरी

जयपुर । राजधानी जयपुर के मुरलीपुरा इलाके में शुक्रवार रात हार्डवेयर एंड सेनेटरी शॉप में नकाबपोश बदमाशों ने चोरी की वारदात की। शटर तोड़कर घुसे बदमाश महज 50 मिनट में 10 लाख रुपए का सामान चुरा ले गए। शॉप में लगे फुटेज में चोरों की करतूत कैद हो गई। हरमाड़ा थाना पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मुरलीपुरा निवासी नरेन्द्र कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। बेनाड रोड हरमाड़ा में उनकी शिव शक्ति ट्रेडिंग कंपनी के नाम से हार्डवेयर एंड सेनेटरी की शॉप है। शुक्रवार रात को रोज की तरह शॉप लॉक कर वह घर चले गए। देर रात चोरों ने हार्डवेयर एंड सेनेटरी शॉप को निशाना बनाया। शटर तोड़कर बदमाश शॉप के अंदर घुसे। गल्ले में रखे करीब 20 हजार रुपए और शॉप से करीब 10 लाख रुपए कीमत का माल प्लास्टिक कट्टों में भरकर चुरा ले गए। शनिवार सुबह पड़ोसी ने शटर टूटा देखकर ऑनर को कॉल कर बनाया। शॉप में चोरी का पता चलने पर ऑनर की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने मौके से सबूत जुटाए। दुकान में लगे कैमरों फुटेजों को खंगालने पर चोरों की करतूत कैद मिली। रात करीब 3 बजे नकाबपोश दो बदमाश शटर तोड़कर अंदर घुसे। इससे पहले बदमाशों ने बाहर लगे कैमरों को छत की ओर मोड दिया। शॉप के अंदर आने के बाद गल्ले को तोड़कर कैश निकाला। सामान चुराने से पहले अंदर लगे कैमरों को भी छत की ओर मोड दिया। करीब 50 मिनट शॉप में रखकर प्लास्टिक कट्टो में 10 लाख रुपए कीमत का सामान भर ले गए। पुलिस प्रथमदृष्टया मान रही है कि अंदर घुसे नकाबपोश चोरों के साथी दूर खडे होकर नजर रख रहे थे। चोरी किए माल को किसी वाहन में लोड कर बदमाश फरार हुए है।

छात्र से मारपीट कर नकदी छीनी

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में एटीएम से पैसे निकालकर कोचिंग में जमा करवाने जा रहे छात्र के बाइक सवार बदमाश टक्कर मारकर 18 हजार रुपए छीन ले गए। पीड़ित छात्र ने कोचिंग से सीसीटीवी फुटेज निकालकर पुलिस को दिए जिसमें बाइक सवार बदमाश पैसे छीनते हुए नजर आ रहे है। हैरानी की बात यह है कि जब पीड़ित महेश नगर थाने पहुंचा तो वहां गुमशुदगी दर्ज करके इतिश्री कर ली गई। जानकारी के मुताबिक निशांत कुमार मीणा गोपालपुरा गांव त्रिवेणी नगर का रहने वाला है। पांच छह दिन पहले ही वह गांव से जयपुर आकर सैकण्ड ग्रेड की तैयारी कर रहा है। यहां एक निजी कॉलेज में कोचिंग कर रहा है। शुक्रवार को वह त्रिवेणी नगर स्थित एटीएम से 18 हजार रुपए निकालकर पैदल ही कोचिंग में पैसे जमा करवाने जा रहा था। तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके टक्कर मार दी। इसके बाद बदमाश वापस आए और उससे झगड़ा करने लगे।

यूनिवर्सिटी के लिए 25 करोड़ मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से प्रदेश के दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर वे अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकेंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Who Scored And Who Didn't

Establishment Secretary saw him from the corner of his eyes, taking out the remaining cigarette and throwing the packet into the dustbin, note and all.

How To Get Yellow Stains Out Of Fabric

Yellow stains can be quite pesky as these usually come from a combination of factors like sweat, body oils, and even drool.

'अगर अमेरिका को दो दोस्तों में से एक को चुनना पड़ा तो हम भारत को चुनेंगे'

इन्टैलिजैंस प्रोफेशनल एवं पूर्व पैन्टागन अधिकारी माइक रूबिन ने यह दावा करते हुए कहा कि, जस्टिन ट्रूडो ने भारी गलती कर दी है

- रूबिन ने कहा कि, कैनडा के प्रधानमंत्री ने ऐसे आरोप लगाए हैं, जिन्हें वे साबित नहीं कर सकते हैं।
- रूबिन ने कहा कि, अमेरिका की सुरक्षा कम्युनिटी और कैनडा का भी एक वर्ग मानता है कि, ट्रूडो हद से आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि, पांच देशों के इन्टैलिजैंस शेयरिंग एग्रीमैंट "फाइव आइज़" के तहत भारतीय डिप्लोमैट्स की स्नूपिंग करना और फोन वार्ता के आधार पर ऐसा आरोप लगाना सही नहीं है।
- रूबिन ने कहा कि, उल्टे ट्रूडो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि, वह निज्झर जैसे आतंकवादी को क्यों पनाह दिए हुए थी।
- ट्रूडो ने फाइव आइज़ के सदस्य देशों से भारत की आलोचना करने की अपील की है, पर अभी तक किसी ने भी ऐसा नहीं किया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने लगातार यह दावा किया है कि उनके पास आतंकवादी हरदीप सिंह निज्झर कथित की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का "विश्वसनीय साक्ष्य" है, लेकिन निज्झर की मौत और भारत सरकार के बीच के किसी संबंध को लेकर ट्रूडो ने कोई पुख्ता सबूत अब तक उपलब्ध नहीं करवाए हैं।

तथापि, इस विवाद के दौरान सामने आए कुछ रहस्योद्घाटन यह संदेह अवश्य पैदा कर रहे है कि इन्टैलीजैंस शेयरिंग के "फाइव आईज़" समझौते के तहत भारतीय राजनयिकों पर नज़र रखी जा रही थी। कई देशों की गुप्तचर एसेंसियां भारतीय राजनयिकों पर इलैक्ट्रॉनिक निगरानी रख रही थीं। अमेरिका ने इस बात की पुष्टि की है कि पांच देशों के "स्पाई नैटवर्क" के बीच इन्टैलीजैंस शेयरिंग थीं। कैनडा में अमेरिका के राजदूत ने भी इन्टैलीजैंस शेयरिंग की पुष्टि की है।

गुप्तचर पेशेवर एवं पैंटागन के पूर्व अधिकारी माइक रूबिन, जो कि अब अमेरिका की दक्षिणपंथी संस्था अमेरिकन एंटरप्राइज़ेज इंस्टीट्यूट के साथ हैं, ने आज यह कहकर ट्रूडो की आलोचना की कि वह अपनी हद से ज्यादा आगे निकल गए हैं।

रूबिन का यह कहना है कि आपसी बातचीत की जासूसी जैसी गुप्तचर जानकारियां प्रायः पुख्ता नहीं होती हैं और इनकी सटीक व्याख्या नहीं की जा सकती। ये बातचीत इस संदेह को जन्म देती है कि अधिकारियों के बीच कुछ साधारण बातें हुईं जिन्हें शायद सरकार की कार्रवाई के बतौर देखा गया।

रूबिन के एक वीडियो साक्षात्कार में कहा है कि "मैं समझता हूं, प्रधानमंत्री ट्रूडो ने एक भारी ग़लती की है। उन्होंने कुछ इस तरह से आरोप लगाए हैं कि वह उन्हें साबित नहीं कर पाए हैं। वह शायद बिना विचारे ही अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे और सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए उनके पास कोई साक्ष्य भी नहीं है।

माइक रूबिन ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा कि कैनडा की गुप्तचर एजेंसी के कुछ लोगों के साथ ही अमेरिका की "सिक्योरिटी कम्युनिटी" का मानना है कि जस्टिन ट्रूडो अपनी हद से काफी आगे निकल गए हैं और यदि अमेरिका को दो मित्रों के बीच में से एक का चयन करना हा तो "हम भारत को चुनेंगे क्योंकि उसके साथ हमारा संबंध काफी महत्वपूर्ण है।"

माइक रूबिन ने हालांकि स्पष्ट रूप से यह माना कि कैनडा और भारत के बीच की लड़ाई एक चींटी और हाथी के बची जैसी है। भारत सामरिक रूप से इतना महत्वपूर्ण है कि उसे अलग नहीं किया जा सकता। निज्झर किसी भी सूरत

(शेष पृष्ठ 4 पर)

प्र.मंत्री 9 वंदे भारत रेलें शुरू करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। प्रधानमंत्री मोदी वंदे भारत एक्सप्रेस की नौ ट्रेन्स को रविवार को हरी झण्डी दिखाएंगे। इस ट्रेन्स को शुरु करने का उद्देश्य 11 राज्यों में कनैक्टिविटी

- इनमें से एक उदयपुर से जयपुर के बीच चलाई जाएगी।

बढ़ाना और यहां के रूट्स पर सबसे तेज गति की ट्रेन्स चलाना है, ताकि यात्रियों के समय की बचत हो सके।

ये ट्रेन्स पुरी, मदुरै और तिरुपति जैसे धार्मिक स्थलों के लिए कनैक्टिविटी उपलब्ध करवाएंगी।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

दिल्ली में भारी बारिश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। देश की राजधानी में शनिवार दोपहर आंधी और तूफान के साथ भारी बारिश हुई और कई

- तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश ने दिल्ली वालों को उमस और गर्मी से राहत दी।

जगहों पर पानी भर गया। यद्यपि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 3 डिग्री अधिक था। दिल्ली

(शेष पृष्ठ 4 पर)

प्रोटोकॉल भूले डोटासरा, राहुल गांधी से पहले भाषण के लिए खड़गे को बुलाया

राहुल गांधी ने बात संभाली, उन्होंने वेणुगोपाल को बुलाकर समझाया और फिर खड़गे से पहले भाषण देने आए

- राहुल गांधी ने वेणुगोपाल से कह कर सचिन पायलट को भाषण देने के लिए बुलवाया।
- सभा के दौरान भारी अव्यवस्था और तालमेल का अभाव नज़र आया, किसी को नहीं पता था कि, कब किसका भाषण होना है।
- हरीश चौधरी, मोहन प्रकाश व डॉ. सी.पी. जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं के भाषण नहीं हो सके।
- सभा स्थल पर पानी तक की व्यवस्था नहीं थी, कई नेता और वी.आई.पी. पानी के लिए इशारा करते देखे गए।

जयपुर 23 सितंबर (का.प्र.)। मानसरोवर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की सभा में नेताओं के बीच सामंजस्य की कमी नज़र आई। वहीं, मंच से संबोधन के मामले में भी गफलत हुई और इसका असर यह हुआ कि राहुल गांधी को संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को अपने पास बुलाकर समझाना पड़ा।

सबसे बड़ी सामंजस्य की कमी तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा में नजर आई, उन्होंने बिना प्रोटोकॉल का पालन किए राहुल गांधी से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम संबोधन के लिए ले लिया और यह भी नहीं देखा कि, पोडियम पर राहुल गांधी खुद आ चुके हैं। इस पर राहुल गांधी वापस जाकर बैठ गए और खड़गे खड़े हो गए। लेकिन, फिर प्रोटोकॉल को देखते हुए खुद राहुल गांधी ने बात संभाली और अध्यक्ष से पहले भाषण देने आए।

मंच की समस्या यहीं तक सीमित नहीं थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जब अपनी बात कह रहे थे इस दौरान राहुल गांधी ने संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को अपने पास बुलाया और जानना चाहा कि, अब किसका संबोधन होना है। इस पर वेणुगोपाल अपने पास बैठे प्रभारी सुखजिंदर रंधावा से कुछ कहते नज़र आए और उसके बाद सुखजिंदर रंधावा ने सह प्रभारी अमृता धवन को बुलाकर कुछ कहा। इस दौरान नेता कई बार इस कुर्सी से उसे कुर्सी तक आते-जाते रहे। इससे ऐसा लग रहा था कि, संबोधन के क्रम में कहीं ना कहीं कोई गड़बड़ जरूर है। इसके बाद इशारा करके राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल से कुछ कहा और उन्होंने इशारा करके सचिन पायलट को संबोधन के लिए बुलवाया। सचिन पायलट के बाद भंवर जितेंद्र सिंह और आदिवासी नेता महेंद्रजीत मालवीया का संबोधन करवाया गया। जबकि हरीश चौधरी, मोहन प्रकाश और डॉ सीपी जोशी सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यों का संबोधन नहीं हुआ।

इतना ही नहीं, सभा के दौरान अव्यवस्थाएं भी बहुत ज्यादा थीं। भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए कहीं भी पानी की व्यवस्था नहीं की गई थी। सुबह 10 बजे से आए मीडिया कर्मियों को दोपहर 2:30 बजे तक जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ा, और कई बार कहने के बावजूद पानी उपलब्ध नहीं हुआ। सिर्फ मीडिया कर्मी ही परेशान नज़र नहीं थे, फ्रंट सीटों पर बैठे

(शेष पृष्ठ 4 पर)

वसंधुरा राजे ने अपने निवास पर रक्षा सूत्र कार्यक्रम आयोजित किया

भाजपा महिला मोर्चा के नारी शक्ति वंदन बिल के आभार जताने के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई राजे

- राजे ने भाजपा के अधिकृत कार्यक्रमों से दूरी बना रखी है, जो राजनैतिक हलकों में चर्चा का बिषय बनी हुई है।
- राजे शुरू में तो परिवर्तन यात्रा में शामिल हुई थीं, पर अब वे कहीं भी सभा को संबोधित करने नहीं जा रही हैं।

जयपुर, 23 सितम्बर (कासं)। "नारी शक्ति वंदन" अधिनियम पारित होने पर भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी के साथ दिल्ली में संसद भवन जाकर केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर इस बिल पर धन्यवाद दिया।

शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में महिला मोर्चा की ओर से आतिशबाजी के साथ उत्सव मनाया गया। इन दोनों कार्यक्रमों से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपनी दूरी बनाई लेकिन शनिवार को उनके निवास स्थान पर रक्षासूत्र (राखी) कार्यक्रम हुआ, जिसमें काफी महिलाओं को बुलाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में आज काफी चर्चा रही। पूर्व मुख्यमंत्री राजे परिवर्तन यात्रा में तो शामिल हुईं लेकिन बाद में अन्य किसी भी जगह पर सभा को संबोधित करने नहीं पहुंचीं। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं।

रक्षासूत्र कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कहा कि, महाभारत में कृष्ण की उँगली कट गई तो द्रौपदी ने साड़ी फाड़कर कृष्ण की उँगली पर बांधी। कृष्ण ने कौरवों से द्रौपदी की रक्षा की। मैं भी कृष्ण की प्रेरणा से आपकी सेवा करूँगी और हर राजस्थानी के हक़ के लिए लड़ती रहूँगी।

कार्यक्रम में वसुन्धरा राजे ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए पी.एम. नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए

(शेष पृष्ठ 4 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क - 94602 07080

आरक्षण के लिए 2039 तक इंतजार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाटे ने शनिवार को कहा कि महिलाएं, जो भारत की आज़ादी का आधा हिस्सा हैं, आरक्षण के मुद्दे पर स्वयं को ठगा-सा महसूस कर रही हैं।

उन्होंने यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में

- कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर जल्दबाजी में बिल लाकर महिलाओं के साथ धोखा किया है, क्योंकि यह बिल 2039 से पहले लागू होने वाला नहीं है।

कहा कि "महिला आरक्षण देश की आधी आबादी की राजनैतिक भागीदारी एवं सशक्तीकरण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण माध्यम है।"

उन्होंने कहा, "महिला आरक्षण

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अब इंदिरा गांधी मैमोरियल पर है भाजपा की नज़र

इससे पहले भाजपा सरकार नेहरू मैमोरियल म्यूज़ियम का नाम बदलकर "मैमोरियल फॉर ऑल प्राइम मिनिस्टर्स" कर चुकी है

- केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने मांग की है कि, 1, सफदर जंग रोड, बंगला सरकार को लौटाया जाए।
- 1, सफदर जंग रोड, बंगला स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आवास था, जिसे उनकी मृत्यु के बाद इंदिरा गांधी मैमोरियल बना दिया गया था।
- अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार ने प्रस्ताव पारित किया था कि, भविष्य में किसी भी सरकारी बंगले को राजनेताओं का म्यूज़ियम या स्मारक नहीं बनाया जा सकेगा।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। नेहरू मैमोरियल म्यूज़ियम एण्ड लाइब्रेरी सोसायटी का नाम बदलकर, उसे "मैमोरियल फॉर ऑल प्राइम मिनिस्टर्स" नाम दिये जाने के बाद, भाजपा की नज़र अब 1, सफदरजंग रोड को वापस लेने पर टिकी है, जो इस समय स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के स्मारक के रूप में उनकी स्मृतियों को संजोये हुए है।

सरकारी बंगलों को राजनेता के स्मारकों का रूप देना समस्या मूलक मुद्दा है। तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों-जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री-के स्मारक अस्तित्व में थे जिनमें से नेहरू के स्मारक को वापस लिया जा चुका है। मनमोहन सिंह के यू.पी.ए. के प्रधानमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल में, तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने अपने निवास को अपने पिता बाबू जगजीवन राम के स्मारक का रूप दे दिया था। वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही, स्व. अजीत सिंह ने अपने 12, तुगलक रोड निवास को अपने पिता तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के स्मारक का रूप देने की जबरदस्त किन्तु असफल कोशिश की थी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री

(शेष पृष्ठ 4 पर)

ARBiT
it happens here...

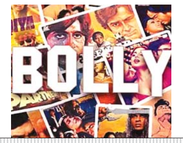

World Bollywood Day

When the Indian film industry began in the early 1900s, it started out in the same way as Hollywood - with silent films. But when talking films began in the form of Bombay Talkies, the industry began to grow. It was different than films from the West in that the driving force behind the films were simply the stars rather than the actual plot or story. Unlike Hollywood, which is the name of an actual city and location where many films are made, Bollywood indicates more of the idea of the industry.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
24 September 2023
A-B

#FOOD REVIEW

CELEBRATING CLUB CULTURE

Experience The North Club at Hyatt Regency Jaipur Mansarovar, where tradition and culinary innovation converge. Delight in a curated menu that transports you through India's heritage, featuring dishes like Railway Mutton Curry and Dak Bungalow Chicken Curry.

Tusharika Singh

In an era dominated by pubs and bars, there exists a specialty restaurant that seeks to rekindle the spirit of traditional club culture. The North Club, nestled within the Hyatt Regency Jaipur Mansarovar, is not merely a restaurant; it is a portal to a bygone era. Here, the essence of India's heritage club culture is meticulously preserved, offering guests an immersive experience that transcends time and embarks on a nostalgic culinary journey. As you step into The North Club, you're immediately transported to an era where opulence, tradition, and camaraderie reigned supreme. The ambiance resonates with connoisseurs of fine dining and epicurean delights, echoing the grandeur of India's historical club culture.

A Culinary Journey Through Time

Embark on your culinary journey at The North Club with a selection of delectable starters. Indulge in the Calcutta Club Cutlet, a tantalizing blend of beetroot and vegetable mash coated in a crispy panko crumb. Alternatively, savor the Tandoori Masala Lamb Chops, a symphony of flavors that tantalize the palate.

For those craving classic comforts, The North Club presents an array of iconic dishes. Sink your teeth into the timeless Clubhouse Sandwiches, burgers served with the beloved old-fashioned fries and potato wedges.

Moving on to the main course, The North Club offers a menu that reads like a chapter from India's culinary history. Highly recommended are the Railway Mutton Curry, a classic Anglo dish featuring lamb and potatoes in a rich stew, and the Dak Bungalow Chicken Curry, a hearty chicken, potato, and egg stew. Vegetarians can relish the Dal Maharani served with Kasturi Naan or the Saag Paneer paired with blue cheese naan. And for biryani aficionados, the Empire Biryani is a must-try, slow-cooked for a staggering 36 hours with Rewaji goat and presented under a golden pastry lid, ready to be savored with the biryani.

No meal at The North Club is complete without indulging in a selection of old-school desserts. Journey back in time with British Trifle Pudding, Vintage Pineapple Upside-Down Cake, and the comforting Bread Pudding. If you're seeking a twist, try the Shahi Tukda served with a blueberry compote and French Wafer.

Commenting on the idea behind The North Club, Nikhil Gandhi, the General Manager of Hyatt Regency Jaipur Mansarovar, states, "This culinary venture not only offers an exquisite dining experience but also preserves the rich history and cultural heritage of India through its unique flavors. The North Club encapsulates the essence of traditional Club culture, bringing to life the culinary treasures from across regions, presented with our renowned hospitality."

A Sip of Elegance

At The North Club, the culinary journey isn't confined to just the cuisine; it extends to the bar as well. Crafted by their masterful mixologists, the cocktails at The North Club are a work of art. Each drink boasts its own unique personality and is given a distinctive numeric name like Sixteen, Eighty-Seven, or Four Square. These intriguing names pique curiosity and beckon guests to explore the tantalizing world of cocktails with a twist. To uncover the secrets behind these numbers and savour the artistry in each sip, there's no better way than to embark on a visit to The North Club and experience it firsthand.

Shantonu Sen
Former CBI Joint Director

Who Scored And Who Didn't

PART-1

The bully in my books was Sanjay Singh's uncle-in-law who became India's Prime Minister (1989-1990). His joint secretary, one Bhure Lal, asked the Director CBI, Rajendra Sekhar, to remove the ace public prosecutor, whom the CBI had specially selected and appointed to prosecute those charge-sheeted for the murder of Syed Modi. S. K. Dutta, once my very senior colleague in the Kolkata CBI, and then CBI no. 2, gave me this account. It appears that the Director CBI Rajender Shekhar asked him to accompany him to Prime Ministers Office (PMO) and told Bhure Lal Joint Secretary PMO In his (Dutta's) presence that he and his no. 2 would surrender their uniforms rather than remove the Special Public Prosecutor, Desai. The bully that he was, the Prime Minister, removed all prosecutors appointed in all departments of the Government of India in one stroke. Every department lost its prosecutor. We too lost Desai.

You meet them in civil service. You encounter them at work. They can be, and often are, nasty. They confront you when you think that you are a big shot yourself! In hindsight, they make for interesting raconteuring. Let me number them and then describe my innings with them.

Bully No. 1

The one that scored

He was the newly-appointed Governor of a newly-made Indian state, where I was on loan from the CBI. I was the Anti-Corruption chief and quite the authority, or so I thought! I had a lovely cottage, with a spacious lawn where every morning, when the sun was out, the Kanchenjunga too was out, shimmering and shining. This cottage stood tall in the Governor's Estate. Protocol demanded that I call on him. I did. He was formal as was expected. I was already two years on. So glibly and coherently, I explained my job and I thought my one-to-one meetings with His Excellency had ended.

But no. He wanted to meet me more often. He wanted details of my work. My boss was the Home Secretary. He clearly did not wish me to visit the Raj Bhawan and rightly so. That was his beat. He was a Bhutia and a 'noble' of the erstwhile kingdom. He and I agreed that His Excellency and I should not meet to discuss my work. When I politely did tell him that, he did not like it. He bullied me to give in but failed to break my resolve. To cut a long story short, after a few months, he got me to vacate the cottage. Then the Government of India cut short my tenure. He had resolved to send me out and back to the CBI.

There lay the rub.

Here I was on a higher rank, with higher pay and three children in school, whose sessions differed from sessions in Delhi. I wanted two tenures. He cut short even my first one. The Chief Minister, however, was very appreciative of what I had done and was keen that I should continue. The Governor was not one to remain idle. The PM of India was related to him. Her late husband was some sort of a cousin of his. I learnt from the Home Secretary, India, that the PM's ears were poisoned well and truly against me.

This, I learnt when the Chief Minister sent me on an official trip to Delhi to plead my own case. The Chief Minister also sent the State Establishment Secretary to Delhi. The Finance Minister of the state was already in Delhi, got time from the PM and took him to see her. She was all ears, all smiles and asked her sidekick, the one who went by the acronym RKD, to take notes. The Establishment Secretary told me that he saw RKD take out his near-empty cigarette packet on which he took notes! As they left, the Establishment Secretary saw him from the corner of his eyes, taking out the remaining cigarette and throwing the packet into the dustbin, note and all.

I realised the game was over, for me. I took four months' leave, salary in hard cash, got a fabulous farewell, a great escort and returned to the Government of India. I had a very difficult two years before I got promoted. I lost a lot of money and suffered position-wise as well. That is Bully no. 1. There were more.

Bully No. 2

By hook or by ...

The first Bully lost his job after 1984, when his support, the PM, was tragically gunned down on October 31, 1,984. However, the PM had never gone after me.

The second bully became Prime Minister in 1989. It was 1988 when, as DIG CBI Punjab Cell, we charge-sheeted Sanjay Singh along with others for the murder of Syed Modi. We thought it was an airtight case. This Sanjay Singh was a politician. For years he was in the Congress. Thus, during investigations, when the Congress was in power, P. Chidambaram, India's Internal Security Minister, told the CBI Additional Director, who was temporarily heading the CBI (since the Director CBI, M. G. Katre was abroad) that Sen should not investigate Sanjay. When he asked me to lay off, I gave reasons why it was necessary to investigate Sanjay Singh. When the Director CBI returned, he asked me and heard from me the why it was necessary to investigate Sanjay Singh.

The Minister was then told that as Sen was in charge of the investigation and on the spot, he would investigate on his terms if he continued to be in charge of the investigation. Further, sitting in Delhi, they told the minister, he could not tell Sen whom to investigate and whom not to. However, Sen could be removed along with his team if the Minister so wanted. The Minister stopped short there and did not press for this solution but was annoyed.

I made a permanent foe of him. Years later, between 2007 and 2013, when he was for some time, the Home Minister of India, and I was the OSD to the LG Delhi, he repeatedly told him that as a retired officer and nearing 70, I should be replaced. My Lt Governor chose to ignore his suggestion.

The bully in my books was Sanjay Singh's uncle-in-law who became India's Prime Minister (1989-1990). His joint secretary, one Bhure Lal, asked the Director CBI, Rajendra Sekhar, to remove the ace public prosecutor, whom the CBI had specially selected and appointed to prosecute those charge-sheeted for the murder of Syed Modi. S. K. Dutta, once my very senior colleague in the Kolkata CBI, and then CBI no. 2, gave me this account. It appears that the Director CBI Rajender Shekhar asked him to accompany him to Prime Minister's Office (PMO) and told Bhure Lal Joint Secretary PMO In his (Dutta's) presence that he and his no. 2 would surrender their uniforms rather than remove the Special Public Prosecutor, Desai. The bully that he was, the Prime Minister, removed all prosecutors appointed in all departments of the Government of India in one stroke. Every department lost its prosecutor. We too lost Desai. V. P. Singh lost his job in 1990 but, to me, he will remain a political bully. He also placed a new trial judge, who discharged Sanjay and his paramour, Ameeta Modi, wife of the slain Syed Modi. Four months later, the trial Judge was made a judge in the Allahabad High Court, bench Lucknow.

Bully No. 3

Just deserts

This one was the criminal himself. He was a Cabinet Minister in the P. V. Narasimha Rao (1991-1996) Cabinet; as the Minister of State Minister for Power (Independent Charge) no less. I got the better of him thanks to a stern and upright Special CBI Judge in the Delhi Karkardoma Court.

The story briefly runs thus. The CBI, Special Task Force (STF), which I headed as the Joint Director, was required to complete the 1993 Bombay Blast investigation, taking charge of the incomplete chargesheet of the Bombay Police. The STF was spreading a dragnet for Dawood Ibrahim's goons. They were running for cover. The STF and the police of many states, in close coordination, were in hot pursuit.

On July 23, 1993, the Delhi Police apprehended five of them in Delhi in two Toyota cars at 4 am in the morning in the Red Fort area. They were carrying arms – pistols, hand grenades button knives. They had been hiding in Delhi for a few months. On July 27, 1993, the Government of India ordered the STF to take over the investigation from the Delhi Police. The STF was tasked to find who gave them shelter, food, finances and logistical support and also to trace and apprehend others.

To cut a long story short, among their financiers, protectors and providers of logistical support, we zeroed in on this Cabinet Minister (Kalpnath Rai) and others. To name just a couple, Saboo V. Chacko, Regional Manager, East West Air Lines and Brij Bhushan Sharan Singh, a BJP MP. The Minister defied our investigation attempts.

Kalpnath Rai had ordered the National Thermal Power Corporation to put them up and treat them as guests. They were feasted and feted at the tax-payer's expense. The East West Air Lines Regional Manager provided them, on orders of Dawood, who owned the airlines, the finances that they needed to live in Delhi. Chacko was the Regional Manager and also the brother-in-law of Vincent George, former sidekick of Rajiv Gandhi.

To go back to the bully, Kalpnath Rai, he refused to meet the investigating officers to answer the criminal charges that the STF had raised against his doings to shelter Dawood's goons. He abused the officers. Since the CBI does not charge the person proposed to be charge-sheeted without ascertaining the defence, I ordered a chargesheet against all accused who had given their defence and we had enough evidence to rebut them. On Kalpnath Rai, I ordered that they tell the court that while there were charges but not having his defence, "investigation continues". I had anticipated that our fearless Judge (Dhingra) might just order that the evidence was sufficient to chargesheet him to arrest and produce him. This happened. He so ordered.

The DIG STF, Neeraj Kumar (later Commissioner of Police, Delhi) and his team were a part of the STF. On my orders, he entered the serving Cabinet Minister's bungalow in Lutyens Delhi at 10 pm. He was arrested. He was interrogated for part of the night. Absolute secrecy of the operation was ensured. The Director CBI was very disturbed by the state of affairs as it was. No publicity was to be given to the arrest by the media, my Director had cautioned me. I ensured that. The next morning, before 10 am, he was produced before Judge Dhingra, whom I had requested to hold his court 10 minutes before his usual schedule, which was 10 am. In a few minutes, he was sent to judicial custody/remand. This is how publicity was minimised.

Along with others, he remained in jail during trial. He was convicted by Judge Dhingra along with 10 others and sentenced to 10 years imprisonment and fined 10 lakhs True, later, on appeal after years of incarceration, the Supreme Court held, that all except those arrested by Delhi police on 23rd July were not guilty of terrorism. The law that made them terrorist did not apply to them as when they were harbouring, financing and protecting terrorist the law was not in force! It was an order without precedent. The Indian Penal Code (IPC) section for harboring criminals was also forgotten! It was a bizzare order.

Continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#POLITICAL BULLIES

Kalpanath Rai And Soniya Gandhi.

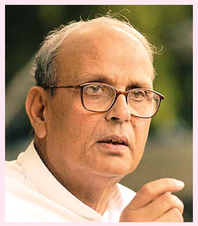

vp-singh.

Sanjay Singh and paramour Ameeta.

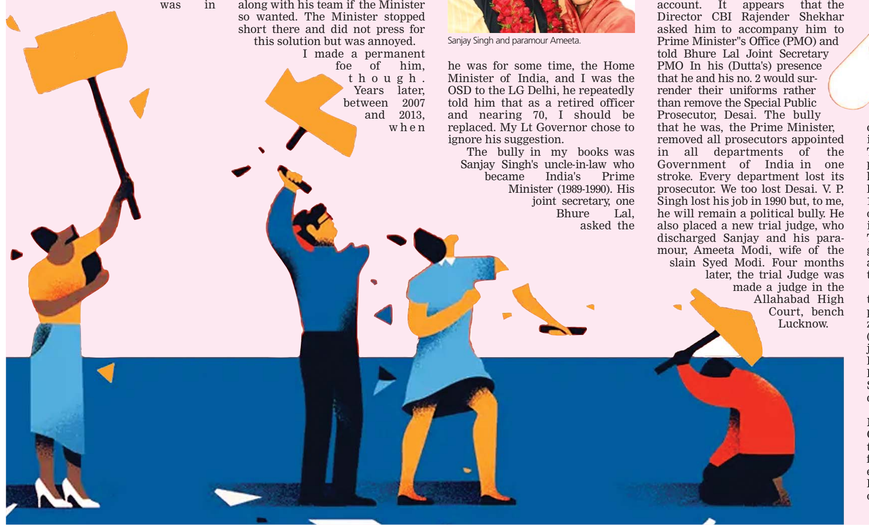

#HOUSEKEEPING

How To Get Yellow Stains Out Of Fabric

Yellow stains can be quite pesky as these usually come from a combination of factors like sweat, body oils, and even drool.

Fashion trends come and go, but yellow stains on fabric are never a good look for anyone. From armpit stains on your favourite white T-shirt to—yuck!—patches of discoloration on your pillows, it's easy to get frustrated by fabric woes.

Yellow stains can be quite pesky as these usually come from a combination of factors like sweat, body oils, and even drool. These substances can oxidize over time, leaving behind those not-so-pretty yellow marks.

But don't sweat it. There are ways to combat yellow stains on fabric that don't involve buying a whole new wardrobe or gallons of bleach.

How to Gently Remove Yellow Stains

The best methods of removing yellow stains start with a number of ingredients you might already have at home.

Baking soda

For pillows, our "secret weapon" is a paste made from baking soda and water. Apply it to the stain, let it sit for a bit, then gently wash it away. Changing and laundering pillowcases on a regular basis will keep them from staining, he says, adding that pillow protectors can also do the trick.

Hydrogen peroxide

For other fabrics, a mix of hydrogen peroxide and water can work wonders on those yellow stains. Be sure to keep your hydrogen peroxide stored in its original dark bottle to maintain its efficacy; otherwise, hydrogen peroxide that loses its extra oxygen molecule is just plain water.

White vinegar

Apply the vinegar directly to the clothing and let it soak for about 15 minutes before washing. You can also use a baking soda paste but again, she likes to mix hers with vinegar for increased stain-removing

Lemon juice

Lemon juice can be a natural bleach. Squeeze some directly onto the stain and rub it gently. For even better results, let the garment or item sit in the sun for a few hours before you wash it. The sunlight helps enhance the bleaching effect.

What About Bleach for Yellow Stains?

Bleach might seem like the obvious solution for restoring white fabrics, but it has its drawbacks. While bleach can work its magic, it's essential to use it cautiously, as it can be harsh on fabrics and may lead to discolouration. If you do decide you need strength of bleach to take on yellow stains, take the following precautions:

- Ensure you are in a well-ventilated area
- Wear gloves—but wash your hands thoroughly afterward as well
- Put on an apron to protect your clothes from accidental splatters
- Store the remaining bleach in a cool, dry place—not in direct sunlight or heat—and away from children and pets

Whichever method you try—and you may want to try several—note that some careful trial and error might be necessary. Depending on the whitening agent, the amount of time needed to soak the clothing will vary, so it's important to follow the instructions based on the agent being used.

THE WALL

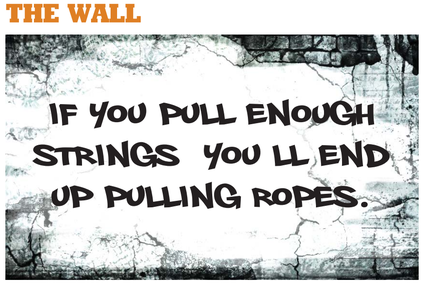

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

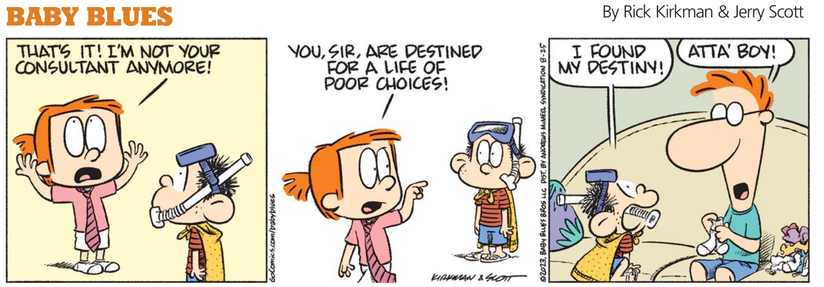

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

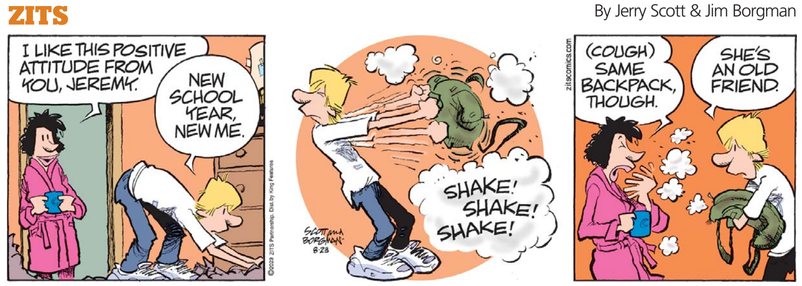

राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के प्रमुख कृष्णधाम में श्री साँवलियाजी महाराज के जलझूलनी के विशाल त्रिदिवसीय मेले में आने वाले समस्त श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत अभिनन्दन

24 सितम्बर 2023 से 26 सितम्बर 2023 तक

शुभारम्भ
भादवा सुदी दशमी, रविवार, दिनांक 24.09.2023

- शंखनाद के साथ शोभायात्रा दिन में 2:00 बजे
- अखिल भारतीय कवि सम्मेलन रात्रि 9:00 बजे

मुख्य समारोह
भादवा सुदी एकादशी, सोमवार, दिनांक 25.09.2023

- भगवान श्री साँवलियाजी की विशाल रथयात्रा व जल में झूलना- प्रातः 11:00 बजे से
- रात्रि में प्रसिद्ध भजन गायक कैलाश खैर की भजन संध्या के साथ ही पांच रंगमंचों पर धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन

समापन
भादवा सुदी द्वादशी,मंगलवार, दिनांक 26.09.2023

- सांस्कृतिक संध्या के साथ विकलांगों को मोटराईज्ड स्कूटी वितरण व प्रतिभावान विधार्थियों का सम्मान

मन्दिर के प्रमुख उत्सव

- श्री कृष्ण जन्माष्टमी,
- फूलडोल महोत्सव,
- अन्नकूट महोत्सव,
- लक्ष्मी पूजन आदि

जो श्रद्धालु भक्तगण राजभोग, बालभोग, मक्खनभोग मनोरथ सेवा , महाप्रसाद व गोसेवा हेतु दान करना चाहते है व निम्न बैंकों में ऑनलाईन दान (बैंक खाताधारक नाम-मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री साँवरियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया) के नाम से भिजवा सकते हैं, दान की गई श्रद्धा राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट योग्य है।

UPI ID - shris946021010@barodampay

Bank	A/c no.	IFSC Code No.
State Bank Of India	51079791309	SBIN0031432
Bank Of Baroda	52430100000001	BARB0MANDPH

मन्दिर के नियमित कार्यक्रम

प्रातः 5:30 बजे	मंगला आरती
प्रातः 10:00 बजे से 11:15 बजे तक	राजभोग आरती व प्रसाद वितरण
मध्यान्ह 12 से 12:30 बजे तक	दोपहर विश्राम
मध्यान्ह 2:30 बजे से	दर्शन,आरती, फलाहार, प्रसाद वितरण
रात्रि 8 बजे से 9:15 बजे तक	सांयकालीन आरती
रात्रि 9:15 बजे से 11 बजे	भजन कीर्तन
रात्रि 11:00 बजे	शयन

श्री साँवलियाजी के मेले में पधारने वाले समस्त श्रद्धालुओं से विनम्र अपील -

★ श्रद्धालुओं से निवेदन है कि मंदिर में दर्शन करने एवं शोभायात्रा के दौरान किसी प्रकार की जल्दबाजी व धक्का मुक्की नहीं करें

★ मंदिर, शोभा यात्रा एवं मेला क्षैत्र में तैनात पुलिस कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों एवं व्यवस्था में लगे लोगों के निर्देशों का पालन कर व्यवस्था में सहयोग करें।

★ मेले में भ्रमण के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखें और कचरा निर्धारित स्थान पर डाले।

★ भगवान श्री साँवलियाजी सेठ के पवित्र मंदिर व शोभायात्रा में हर प्रकार से गरिमा एवं महिमा का ध्यान रखकर दर्शन करें।

कृष्णधाम में विराजित है सेठों के सेठ श्री सांवलिया सेठ -

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया कस्बे में स्थित कृष्ण धाम सांवलियाजी मंदिर संभवत देश का पहला मंदिर है जहां इतनी तेजी से मंदिर की ख्याति फैली और विकास हुआ। आज से करीब 50 वर्ष पूर्व जहां मंदिर की आए सैकड़ो-हजारों रुपए में थी वहीं यह बढ़कर आज लाखों करोड़ों रुपए में पहुंच चुकी है। वर्तमान में भगवान श्री सांवलिया सेठ का गुजरात के अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर भव्य मंदिर एवं कॉरिडोर बना हुआ है। जिसमें वृंदावन के प्रेम मंदिर की भांति लाइटिंग का काम भी पूरा हो चुका है। मंदिर में मुख्य रूप से राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के साथ ही पूरे देश के विभिन्न राज्यों सेश्रद्धालु भगवान के दर्शन करने पहुंचते हैं। इनमें से कई श्रद्धालु तो भगवान को व्यवसाय में अपना पार्टनर बनाते हैं। इन सभी श्रद्धालुओं की मनोकामना भगवान पूरी करते हैं। प्रतिमाह खुलने वाले भगवान के भंडार से करीब 10 करोड रुपए नगदी एवं सोने चांदी की आय मंदिर को प्राप्त होती है। मंदिर की समस्त व्यवस्थाएं राज्य सरकार द्वारा मनोनीत11 सदस्यीय बोर्ड द्वारा संचालित की जाती है। जिसमें जिला कलेक्टर अतिरिक्त कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधि आदि शामिल रहते हैं। मंदिर एवं कॉरिडोर के अलावा वर्तमान में श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा मंदिर परिक्षैत्र के सौंदर्य करण के लिए भी बड़े स्तर पर निर्माण कार्य जारी है। मंदिर द्वारा करीब 3000 गायों वाली गौशाला भी संचालित की जाती है।

श्री साँवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया-चित्तौड़गढ़(राज.)

Website : shrisanwariyaseth.org Phone No. :- 01470 242922, 242622

राहुल गांधी और खड़गे का भाषण ओ.बी.सी. एस.सी-एस.टी और माइनॉरिटी पर केंद्रित रहा

ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे दोनों नेताओं का वोट बटोरने के लिए चुनावी नारा है, 'सिर्फ जाति की बात करो'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस ने राजस्थान में शनिवार को अपना चुनावी अभियान तो शुरू कर दिया लेकिन नेताओं के भाषण से लेकर व्यवस्थाओं तक बहुत सारी कमी खामियां नजर आई। यह भी नजर आया कि नेताओं में आपसी तारतम्य अभी भी नहीं है। जहां तक उम्मीद थी कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और सांसद राहुल गांधी, राजस्थान कांग्रेस को चुनावी रणनीति के तहत कुछ नया मंत्र देकर जाएंगे, लेकिन दोनों नेताओं ने अपना भाषण ओबीसी, एससी-एसटी और माइनॉरिटी को लेकर केंद्रित रखा और एक तरह से संदेश दिया कि कांग्रेस इन्हीं जातियों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती है।

वैसे तो कांग्रेस राजस्थान में सरकार रिपीट करने की बात बार-बार कर रही है, लेकिन राजधानी जयपुर में हुई सभा के दौरान जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के भाषण से पहले ही सभी लोग उठकर चले गए और खडगे खाली कुर्सियों के सामने भाषण देते रहे। उसके उससे यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उसे तरह का जोश नजर नहीं आ रहा,जिस तरह के दावे कांग्रेस के नेता करते है। खडगे का भाषण सुनने के लिए 5-7 हजार लोग ही मुश्किल से रुके।

प्रदेश कांग्रेस के नए मुख्यालय का शिलान्यास करने के बाद आयोजित सभा में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश का नाम बदलना चाहती थी। वे इंडिया का नाम भारत करना चाहते थे, इसीलिए संसद का विशेष सत्र बुलाया था, लेकिन इसे रोकर महिला आरक्षण बिल ले आए। उन्होंने कहा कि पूरे विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन किया। हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो, लेकिन भाजपा 10 साल बाद इसे लागू करना चाहती है। मोदी, ओबीसी को भागीदारी देना चाहते हैं, लेकिन जातिगत जनगणना से क्यों डर रहे हैं? वे अडाणी से भी डरते हैं। बीजेपी वाले वोट मांगने आएं तो उनसे पूछना कि जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवा रहे हो?

राजधानी जयपुर में प्रदेश कांग्रेस के नए मुख्यालय का शिलान्यास करने के बाद आयोजित सभा में सांसद राहुल गांधी कई राजनैतिक मुद्दों और राजस्थान की स्थिति पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, के.सी.वेणुगोपाल और पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा से चर्चा करते नजर आए। फोटो-राष्ट्रदूत

राहुल बोले कि महिला आरक्षण बिल का पूरे विपक्ष ने समर्थन किया। भाजपा चाहती है कि महिला आरक्षण 10 साल में लागू हो, जबकि हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज से ही लागू हो। इसी के साथ राहुल ने कहा कि मैंने रिसर्च की तो पता चला कि हमारी संस्थाओं में ओबीसी, दलित, आदिवासी वर्ग की क्या भागीदारी है? आज के हिंदुस्तान को 90 लोग चलाते हैं। आज के हिंदुस्तान को प्रधानमंत्री 90 अफसरों के साथ चलाते हैं। वे हर मंत्रालय के सचिव हैं। प्रधानमंत्री ओबीसी की बात करते हैं, लेकिन इन 90 अफसरों में सिर्फ 3 ओबीसी हैं। उनके पास हिंदुस्तान का सिर्फ 5 प्रतिशत बजट है।

राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान में हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए जातिगत जनगणना जरूरी है। इस जनगणना से पता चल जाएगा कि हिंदुस्तान में किस वर्ग के कितने लोग हैं। हम ओबीसी को भागीदारी देने की बात करते हैं, लेकिन जब तक ओबीसी कितने हैं, यह पता नहीं लगेगा तो कैसे काम होगा? प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं? हमने ये जनगणना करवाई थी, आंकड़े आपके पास है, उन्हें सामने लाइए।

राजस्थान में खोले गए अंग्रेजी स्कूलों पर सरकार की पीठ थपथपाते हुए राहुल ने कहा कि पिछले दिनों बीजेपी के नेता अंग्रेजी के खिलाफ भाषण दे रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि आपके बच्चे कहां पढ़ते हैं? उनके बच्चे अंग्रेजी मीडियम में पढ़ते हैं। बीजेपी नेता चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में पढ़े और गरीब का बच्चा अंग्रेजी न सीखे। ये दो हिंदुस्तान बनाना चाहते हैं।

चुनाव से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए राहुल गांधी ने कहा कि जंगल में शेर देखने के लिए कई घंटों की मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन मेरे सामने हजारों बब्बर शेर बैठे हुए हैं। राजस्थान में सरकार ने चिंरजीवी योजना जैसी हेल्थ स्कीम दी है। मात्र 500 रुपए में एलपीजी गैस सिलेंडर दिया है। यह सभी काम कार्यकर्ता जनता को जाकर बताएं।

- राहुल गांधी ने कहा, ''हिंदुस्तान में हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए जातिगत जनगणना जरूरी''
- खडगे ने कहा, ''बीजेपी फिर से सत्ता में आयी तो मनु के दिन आएंगे और आप फिर से गुलाम बन जाएंगे''
- राजस्थान के नेताओं के दावे सरकार रिपीट करने के हैं, लेकिन खडगे का भाषण सुनने के लिए सभा में पांच-सात हजार लोग ही बमुश्किल से रुके

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि चुनाव में भाजपा हमारे खिलाफ एक नहीं दो-तीन कैंडिडेट खड़ा करती है। एक तो भाजपा का प्रत्याशी होता है, एक ईडी होती है और एक सीबीआई या अन्य एजेंसी होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष सत्र संसद की नई बिल्डिंग दिखाने के लिए बुलाया था। उन्होंने बड़े कार्यकर्ताओं, फिल्म अभिनेता-अभिनेत्रियों को बुलाया। यह संसद चर्चा करने की जगह है, एग्जीबिशन करने की जगह नहीं है। खडगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल सबसे पहले कांग्रेस सरकार लाई थी। उस समय इन्हीं लोगों ने इसका विरोध किया था, जो अभी सरकार में हैं। ये लोग बहुत सयाने हैं। बीजेपी फिर से सत्ता में आ गई तो मनु के दिन आएंगे और आप फिर से गुलाम बन जाएंगे। आप फिर से गुलाम होना चाहते हैं क्या ?

खडगे ने भाषण के दौरान नारे लगाने वाले कार्यकर्ताओं को डांट दिया और चुप रहने की हिदायत देते हुए कहा कि देखते हैं, तुम्हारे बूथ पर कैसा परफॉर्मेंस रहता है। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पहली बार सरकार विरोधी कोई लहर नहीं है। सरकार का काम शानदार है। फासिस्ट ताकतें चाहे कितना ही जोर लगा लें, लेकिन कामयाब नहीं होंगे। किसी कीमत पर हमारी सरकार रिपीट हो नेता और कार्यकर्ता यह संदेश लेकर जाएं। फासिस्ट ताकतें देश के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का नया भवन बनना गर्व की बात है। देश के सामने चुनौतियां है, इसका अहसास हम सबको है। राहुल गांधी की यात्रा का मकसद अहिंसा का संदेश था। दो अक्टूबर को जयपुर में हम मौन जुलूस निकालेंगे।

कांग्रेस कार्य समिति सदस्य सचिन पायलट ने कहा कि आज यह हम सब का सौभाग्य है कि कांग्रेस अध्यक्ष खडगे और राहुल गांधी ने कांग्रेस के नए मुख्यालय का शिलान्यास किया है और जब यह भवन बनकर खड़ा होगा, तब तक राजस्थान में एक बार फिर हमारी सरकार होगी। वहीं 2024 में इंडिया गठबंधन पूरे देश में जीत दर्ज करेगा। पायलट ने कहा कि कांग्रेस की सरकार सिर्फ राजस्थान में नहीं बल्कि तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी बनेगी।

'गहलोत सरकार की विदाई का वक्त आ गया'

सांभरझील, (निसं)। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि गहलोत सरकार खुद अपने कर्मों से ही समाप्त हो जाएगी। गहलोत सरकार प्रदेश की जनता को झूंठी गारंटी देकर मूर्ख बना रही है। मैं जब अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में जाता हूं तो मुझे लोग कहते हैं कि हम खुद आपको गहलोत सरकार को हटाने की गारंटी देते हैं, इससे साफ पता चलता है कि प्रदेश की जनता विगत सालों में सरकार के भ्रष्टाचार व उनके घोटालों से त्रस्त हो चुकी है।

राठौड़ शनिवार की शाम करीब 5 बजे पृथ्वीराज सर्किल के नजदीक एक गार्डन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए आगामी 25 सितंबर को भाजपा की परिवर्तन यात्रा में अधिक से अधिक लोगों को जयपुर लेकर पहुंचने के मंडल पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षों, शक्ति बूथ के कार्यकर्ताओं को सख्त निर्देश दिए। सभी पदाधिकारी अधिक से अधिक बसों और जीपों की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि परिवर्तन यात्रा को सफल बनाया जा सके। राठौड़ ने महिलाओं से भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने महिला वंदन अधिनियम लाकर आपको और शक्ति प्रदान की है जिसका फायदा आपको भविष्य में मिलने वाला है, इसलिए आप भी अपनी शक्ति सामर्थ्य के अनुसार प्ररिवर्तन यात्रा को सफल बनाने में अपना पूरा जोर लगा दें। उन्होंने विधायक निर्मल कुमावत, जिला देहात के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत को भी परिवर्तन यात्रा को सफल बनाने के लिए राजनीति के गुर बताए।

चिकित्सा शिविर

शाहपुरा, (निसं)। देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शाहपुरा के ग्राम रामपुरा निवासी कोबरा बटालियन के शौर्य पदक से सम्मानित शहीद मुकेश कुमार बुनकर की 11वीं पुण्यतिथि पर रविवार को रामपुरा स्थित शहीद स्मारक पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, श्रद्धांजलि कार्यक्रम, वृक्षारोपण व शहीद परिजन सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आम सूचना दिनाक: 23.09.2023

अरिहन्त माइक्रो फाइनेंस पंजीकृत कार्यालय 45/148 किरण पथ, मानसरोवर में स्थित है जो कि ग्राहकों को लोन देने का व्यवसाय करती है। कम्पनी द्वारा नौकरी पर रखने एवं लोन देने की एवज में किसी भी प्रकार की राशि नहीं ली जाती है। अगर कोई व्यक्ति अरिहन्त माइक्रो फाइनेंस में नौकरी देने एवं लोन दिलाने की एवज़ में राशि मांगते हैं तो कृपया ऐसे लोगों से सावधान रहें एवं कम्पनी के मोबाईल नं. 8696202060 पर सूचित करें। वास्ते- अरिहन्त माइक्रो फाईनेंस

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती कमल कुमारी पत्नी स्व. श्री ठा. नारायण सिंह जी साहब, जाति राजपूत आयु लगभग 94 वर्ष निवासी डिग्गी हाउस शिवाजी मार्ग सी-स्कीम, जयपुर द्वारा अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति के बाबत स्वेच्छा से अपने परिवारजन में अपने पुत्र श्री रामप्रताप सिंह पुत्रवधु श्रीमती ज्योतिका कुमारी, पौत्र रूद्रप्रताप सिंह व राघवप्रताप सिंह, दोहिता शक्ति सिंह के हक में रजिस्टर्ड वसीयत दिनांकित 30.03.2018 निष्पादित की गई थी जिसके अग्रसर में मेरी अभिभाष्या द्वारा एक ओर नई रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 18.03.2023 को पुत्रवधु श्रीमती ज्योतिका कुमारी के हक में निष्पादित कर चुकी है। उपरोक्त दोनों ही वसीयत दिनांक 30.03.2018 एवं 18.03.2023 के सम्बन्ध में मेरी अभिभाष्या की वफात के पश्चात किसी को भी कोई आपत्ति व उज्र करने का अधिकार नहीं होगा, ना ही उज्र माना जायेगा।
(मकबूल हुसैन) एडवोकेट, मो. 9828071475

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त- तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लैट संख्या-10/973 मालवीय नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 73.650 वर्ग मीटर का नियमितिकरण पत्र एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 775 दिनांक 06.05.2002 श्री हनुमान सिंह पुत्र स्व. श्री चन्दर सिंह के पक्ष में किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम में दिनांक 06.01.2012 को करवाया गया। श्री हनुमान सिंह यादव की मृत्यु दिनांक 22.08.2023 को हो जाने के कारण श्रीमती तृप्ति यादव पत्नी श्री ललित यादव के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा की छाया प्रति एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास/फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अत: उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती तृप्ति यादव पत्नी श्री ललित यादव के पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त- तृतीय रा. आ. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 7826 दिनांक 23.08.2023
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 62/118 (MIG-B) का आवंटन श्री गिरीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री के.एम. गुप्ता को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 3898 दिनांक 26.05.1994 को जारी किया गया था। श्री गिरीश कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 12.12.1999 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती ऊषा गुप्ता पत्नी स्व. श्री गिरीश कुमार गुप्ता द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास/फ्लैट का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती ऊषा गुप्ता पत्नी स्व. श्री गिरीश कुमार गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय- सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

बीबीरानी में पहुंची भीड़ से रामहेत का कद बढ़ा

किशनगढ़ बास, (निसं)। खैरथल तिजारा जिले की तीन विधानसभाओं में पहुंची भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में जगह-जगह पर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलाया।

किशनगढ़ बास तिजारा और मुंडावर विधानसभा सीट पर टिकट की दौड़ में लगे नेताओं ने प्रदेश और केंद्र से पहुंचे नेताओं के सामने हजारों की भीड़ को जुटाकर अपनी-अपनी ताकत दिखाई। पार्टी किसको कमल का फूल देकर मैदान में उतारती है यह तो सामने आने पर ही पता चल सकेगा। लेकिन फिलहाल भीड़ जुटाने में सफल रहे नेता टिकट को लेकर उत्साहित हैं। बीबीरानी में पहुंची भीड़ को देखकर पूर्व विधायक रामहेत यादव के समर्थकों का दावा है की अलवर जिले की 11 विधानसभाओं में और राजस्थान की पांच सभाओं में सर्वाधिक भीड़ वाली एक विशाल सभा बीबीरानी की रही है। इससे भी पूर्व विधायक यादव उत्साहित है। परिवर्तन संकल्प यात्रा में साथ आए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राजस्थान प्रदेश के नेता सतीश पूनिया, राजेंद्र सिंह राठौड़, सांसद सी आर चौधरी, सांसद महंत योगी बालक नाथ सहित अलवर जिले से पहुंचे भाजपा के नेता पूर्व विधायक पूर्व मंत्री की ऐतिहासिक भीड़ को लेकर चर्चा करते देखे गए तो वहीं गोवा के मुख्यमंत्री ने विशाल जनसभा के लिए पूर्व विधायक यादव को बधाई दी।

'प्रधानमंत्री की 25 सितंबर को होने वाली जनसभा को लेकर आमजन में भारी उत्साह'

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने दी राहुल गांधी को चुनौती ''जनता के सामने आकर जनहित मुद्दों और विकास कार्यों पर बहस करें''
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विजन 2030 के लिए सुझाव मांग रहे है, जनता का सुझाव आप घर बैठें, विकास के लिए राजस्थान पीएम मोदी के हवाले कर दें : सी.पी.जोशी

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होकर भाजपा परिवर्तन संकल्प यात्रा की जानकारी दी। जोशी ने कहा कि इन यात्राओं का समापन 25 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जयपुर जिले के वाटिका के निकट दादिया गांव में होने वाली जन सभा मे होगा। यह यात्रा प्रदेश के 200 विधानसभाओं में 8863 किलोमीटर चली। यह यात्रा त्रिनेत्र गणेश, बेणेश्वर धाम, रामदेवरा और गोगामेड़ी के चार प्रमुख श्रद्धा स्थलों से प्रारंभ की गई परिवर्तन संकल्प यात्रा जिसे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के सानिध्य में प्रारंभ किया था। वह पूरे प्रदेश की विधानसभाओं में सफलतापूर्वक चलते हुए जन.जन की यात्रा बन गई। जिस तरह से लोगों का उत्साह, समर्थन इस यात्रा को मिला है। इस यात्रा के स्वागत कार्यक्रम में भी लोगों का अभूतपूर्व और अद्वितीय समर्थन मिला। यह परिवर्तन यात्रा प्रदेश की अयोग्य सरकार को हमेशा के लिए विदाई देने का ठोस कारण बनेगी।

राहुल गांधी द्वारा भाजपा नेताओं पर की गई टिप्पणी के आरोप में पलटवार करते हुए कहा कि एक किसान परिवार में जन्मा साधारण कार्यकर्ता होने के नाते मैं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को चैलेंज करता हूं कि जनता के मध्य उपस्थित होकर जनहित मुद्दों और विकास कार्यों पर अपनी बात रखें। केंद्र की मोदी सरकार ने 9 वर्षों में जो कर दिखाया है, कांग्रेस 60 वर्ष में नहीं कर पाई। इस विषय पर मैं उनसे बहस करने को तैयार हूं। सभाओं में केवल कागज़ पर लिखा हुआ पढ़ लेने से तथ्य सत्य नहीं हो जाते। आज राहुल गांधी की सभा से पहले मेरे पास किसी कांग्रेसी नेता का फोन आया कि आज यह पक्का कांग्रेस पार्टी का कोई ना कोई भट्टा बिठाकर जाएंगे।

सी.पी.जोशी ने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जो आरोप लगाए हैं, वह बिल्कुल निराधार हैं। आज केंद्र सरकार में ओबीसी के 27 मंत्री हैं, स्वयं प्रधानमंत्री ओबीसी समुदाय से आते हैं। नारी शक्ति वंदन बिल दोनों सदनों में आसानी से पारित होने का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। महिला आरक्षण, और ओबीसी समुदाय को लेकर तथ्यहीन व भ्रामक बातें कही है, कांग्रेस ने देश में 60 साल से ज्यादा समय तक शासन किया तब क्यों नहीं याद आया।

उन्होंने कहा कि, अच्छा होता राहुल गांधी अगर राजस्थान में बढ़ते महिला अपराधों और दुष्कर्म की घटनाओं पर बोलते। प्रदेश में जिस तरह कांग्रेस सरकार ने अपराधियों को संरक्षण दिया है उस पर भी बोलते तो लगता कि प्रदेश की जनता के बारे में सोचा है। लेकिन राहुल गांधी ने सिर्फ अपनी पार्टी के नेताओं के कारनामों पर पर्दा डालने का काम किया, लेकिन जनता अब सब समझ चुकी है, झांसे में आने वाली नहीं। राजस्थान के मुख्यमंत्री जगह-जगह होर्डिंग लगाए बैठे हैं और विजन 2030 के लिए सुझाव मांग रहे हैं। राजस्थान की जनता उनको सुझाव दे रही है कि आप घर बैठ जाइए, राजस्थान पीएम मोदी के हवाले कर दीजिए। विकास की दृष्टि से राजस्थान आगे पहुंच जाएगा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने परिवर्तन संकल्प यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन यात्राओं को जिस तरह से जनता का समर्थन मिला है, वह दर्शाता है कि जनता अब इस अहंकारी, घमंडी, आताताई सरकार को उखाड़ कर फेंकने का मन बना चुकी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे के भाषण के समय खाली कुर्सियों का नजारा कांग्रेस सरकार की विदाई का सबूत दे रही है।

खोया पाया

मेरे मकान 4/590 ग्राउन्ड फ्लोर जवाहर नगर जयपुर के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र, डिक्लेरेशन जवाहर नगर जयपुर में कहीं गिर गये है। मिलने पर सूचित करें-अन्जू जायसवाल-9829068703

मेरे मकान संख्या 21/277 मानसरोवर, जयपुर का मूल अलॉटमेंट लेटर, पजेशन लेटर एवं Declaration Letter कहीं खो गए हैं, मिलने पर सूचित करें, अरविन्द कुमार जैन-9314067610

क्रिटीकल केयर फाउंडेशन ट्रस्ट रजिस्ट्रेशन संख्या 196 जयपुर 2019 का ओरिजिनल सर्टिफिकेट कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। 9829014237

मेरा प्लाट संख्या ए-74 सुदर्शन वाटिका-।। ए-ब्लॉक के मूल साईड प्लान, पट्टा, रसीद जो कि सूरजपोल गेट गृह विकास सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा जारी किए गए, कहीं गुम हो गए, मिलने पर सूचित करें, रामकेश बैरवा-9928957470

भूखण्ड संख्या 37 पार्वती नगर विस्तार (भांकरोटा गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) के सोसाइटी द्वारा जारी साईट प्लान व रसीद कहीं खो गई है मिलने पर सूचित करें-प्रेम महावर 9256925469

प्लाट सं. 143-144 योजना प्रेम नगर-प्रथम गुर्जर की थडी जयपुर का मूल आवंटन पत्र साईट प्लान व इकरारनामा गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। देशराज-9414406293

नाम परिवर्तन

मैं, सुमन कुमारी W/o No. 15177855K हवलदार रवीन्द्र सिंह, यूनिट 632 SATA BTY C/O 56 APO. मेरे पति के सेवा रिकॉर्ड में मेरा नाम सुमन कंवर है और जन्मतिथि 07.07.1989 गलत दर्ज है। सही नाम सुमन कुमारी और जन्मतिथि 07.07.1986 है। शपथ पत्र संख्या 2136 एवं 2135 दिनांक 01.09.2023

मैं Bhairu Ram Netwal पुत्र नारायण लाल नेटवाल निवासी सूजा का वास, चिरनोटीया जोबनेर, जिला जयपुर ग्रामीण, मेरा नाम स्कूल सम्बन्धित दस्तावेजों में Bhainru Ram Netwal तथा अन्य दस्तावेजों में Bhairu Ram Netwal है। मैंने अपना नाम भविष्य हेतु Bhainru Ram Netwal से Bhairu Ram Netwal रख लिया है।

I have Changed my Name from Mohammed Sulman to Mohd Suleman S/o Nafees Ahmed In future I will be known My New Name Mohd Suleman R/o 1990] Takiya Yakeen Shah, Balji Ki Kothi Ka Rasta, Topkhana Huzuri, Ghat Gate, Jaipur

I army no 15381605K Ex NK Gopal Singh Rawat S/O late ladu SINGH rawat R/O 98 A Jain vihar ajmer road keshopura heerapura jaipur have changed my wife/Son/daughters name From SONA RAWAT to SONA KANWAR RAWAT & Daughter KIRAN RAWAT To KIRAN KANWAR & PRIYA TO KHUSHI KANWAR and son TOOPHAN SINGH To KARAN SINGH vide affidavit dated 20 sept.2023 before district notary Jaipur

शौर्य बलिदान दिवस पर महासम्मेलन आयोजित

- हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह के नाम पर फुलेरा में सर्किल का शुभारंभ
- रावणा राजपूत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे की सांभर रोड पर शनिवार को प्रात: 11: 15 बजे अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान फुलेरा के तत्वावधान में हाइफा हीरो, शहीद मेजर दलपत सिंह शेखावत मिल्ट्री क्रॉस (देवली) के 105 वें शौर्य बलिदान दिवस पर महासम्मेलन का आयोजन गिरधारी सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्षा संगीता अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दीनदयाल कुमावत, हनुमान सिंह परिहार, रामपाल सिंह, बद्री सिंह जादव, महेश सिंह बडगुर्जर, मनोहर सिंह राजावत, मानसिंह किलनोत रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आगन्तुक अतिथियों ने हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया।

तत्पश्चात क्षेत्र और आस पास के अंचल की रावणा राजपूत समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जो कि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा 2023 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कये है। वहीं समाज के 75 वर्ष से अधिक वरिष्ठ जनों, राजकीय सेवा में चयनित समाज बंधुओ, बहिनों और तहसील क्षेत्र में सर्व समाज के शहीद परिवारों का सम्मान किया गया।

इसके साथ ही कार्यक्रम के अंतर्गत आगुंतक अतिथियों और सामाजिक लोगों द्वारा सांभर बाईपास पर शहीद मेजर दलपत सिंह शेखावत के सर्किल नामकरण का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता दीनदयाल कुमावत ने कहा की 23 सितम्बर 1918 का वह दिन इजरायल के लिए सबसे खास और यादगार दिन था। यह प्रथम विश्व युद्ध का वह समय था। जब भारतीय जवानों ने तुर्की सेना के खिलाफ जंग लड़ते हुए इजरायल के हाइफा शहर को आजाद कराया था। तब से ही इजरायल भारतीय सैनिकों की वीरता का लोहा मानता है और उनकी याद में हर वर्ष हाइफा दिवस मनाता है। मेजर शेखावत के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके पदचिन्हों पर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्य अतिथि संगीता अग्रवाल ने कहा कि मेजर दलपत सिंह ने भारत भूमि में जन्म लेकर दुनिया भर में भारत का मान बढ़ाया है। समाज के भामाशाहों ने कहा कि सर्किल के निर्माण और मूर्ति स्थापना के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कलेक्टर-एसपी ने चैक पोस्टों का निरीक्षण किया

कोटपूतली, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 को मध्यनजर रखते हुए जिला प्रशासन भी अपनी तैयारियों को दुरूस्त करने में जुट गया है। बता दें कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले की सीमायें हरियाणा राज्य से भी लगती है। ऐसे में चुनावी तैयारियों को लेकर विशेष मॉनीटरिंग की आवश्यकता है।

इसी क्रम में जिला कलेक्टर शुभम चौधरी व एसपी डॉ. रंजीता शर्मा ने हरियाणा से लगने वाली अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर स्थापित की गई चैक पोस्टों का शनिवार को निरीक्षण किया। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर व एसपी ने नवगठित जिले में शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए हरियाणा से लगती बहरोड़ सर्किल की सीमा पर एएसपी नीमराणा के साथ निरीक्षण किया। साथ ही आपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों के आवागमन पर निगरानी रखने हेतु पुलिस थाना शाहंजहांपुर की खण्डोडा, नीमराणा क्षेत्र की माजरी, माण्डन थाना क्षेत्र की कान्हावास बैरीयर, बहरोड़ सदर की भगवाड़ी कलां आदि चैक पोस्टों का निरीक्षण कर सम्बंधित एसएचओ को चैक पोस्टों पर सीसीटीवी कैमरे व पर्याप्त मात्रा में पुलिस जाप्ता लगाने के साथ-साथ चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

राज्यपाल कलराज मिश्र से शनिवार को राजभवन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुलाकात की। इस दौरान कलराज मिश्र ने उन्हें अपनी पुस्तक ''शिक्षा की संस्कृति'' और 4 वर्षों के कार्यकाल पर प्रकाशित पुस्तक ''संविधान संस्कृति की उज्ज्वल राहें'' की प्रति भेंट की।

युवती के अपहरण से हड़कंप

जयपुर । राजधानी के करधनी इलाक में शनिवार रात को एक युवती के अपहरण की घटना से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी करवाकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। हालांकि देर रात तक बदमाश पकड़ में नहीं आए। एसीपी झोटवाड़ा सुरेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे कालवाड़ रोड पर स्थित मंगलसिटी में युवती का स्कोपियो कार में डालकर कुछ लोग अपहरण कर ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि एसएचओ के नेतृत्व में अपहरणकर्ताओं की बताई गई गाड़ी की तलाश की जा रही है। रैनवाल में भी बदमाशों की गाड़ी की तलाश की जा रही है।

'प्रदेश का इतिहास वैदिक व हड़प्पा संस्कृति से जुड़ा'

जयपुर । भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय महामंत्री राजू बिस्ता, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रभारी नेहा जोशी और अन्य की उपस्थिति में राजस्थान भाजयुमो राज्य नेताओं के साथ भाजयुमो राष्ट्रीय टीम के सदस्यों की बैठक की। सांसद राजू बिस्ता ने कहा राजस्थान एक गौरवशाली राज्य है जिसका इतिहास वैदिक और हड़प्पा संस्कृति से जुड़ा है। उन बहादुरों का घर जिनके बलिदानों ने भारत को एक महान राष्ट्र बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। राजस्थान यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान का भी घर है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खेद है कि आज राजस्थान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नक्शेकदम पर चल रहा है। राज्य आज महिलाओं के खिलाफ अपराध, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, अराजकता और लगभग हर क्षेत्र में बडे पैमाने पर घोटाले का पर्याय बन गया है। कांग्रेस के तहत, आबादी के एक विशेष वर्ग के तुष्टिकरण को बाकी सभी के मुकाबले प्राथमिकता दी गई है। युवा निराश हैं और बेहतर रोजगार और आजीविका के अवसरों की तलाश में राज्य से बाहर पलायन करने को मजबूर हैं।

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, नरायना
लोक सूचना
क्रमांक-118 दिनांक-10.08.2023

श्री बजरंग लाल पुत्र श्री पूरण मल, जाति रैंगर, निवासी पीथ्यावास, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि के अनुसार भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

ग्राम, जिले, तहसील का नाम	खसरे व क्षेत्रफल	चाहा गया उपयोग
ग्राम नरायना, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर	खसरा सं. 6021/5827 रकबा 0.1265 हैक्टेयर सम्पूर्ण भूमि	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक 10.08.2023 को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, नरायना

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, नरायना
लोक सूचना
क्रमांक-121 दिनांक-10.08.2023

श्रीमती मीरा देवी पत्नि श्री बजरंग लाल, जाति रैंगर, निवासी पीथ्यावास, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि के अनुसार भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

ग्राम, जिले, तहसील का नाम	खसरे व क्षेत्रफल	चाहा गया उपयोग
ग्राम नरायना, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर	खसरा सं. 6022/5827 रकबा 0.2402 हैक्टेयर सम्पूर्ण भूमि	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक 10.08.2023 को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, नरायना

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आम आदमी के बीच जाकर उनके साथ समय बिताने लगे हैं। इस बात को लेकर इन दिनों वो रोज चर्चा में रहते हैं। राहुल गांधी शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम को संबोधित करने जयपुर आये तब यहाँ भी उन्होंने एक ऐसा मौका ढूंढ ही लिया। राहुल गांधी ने महारानी कॉलेज जाकर वहां छात्राओं के साथ बातचीत की और फिर एक स्टूडैंट की स्कूटी पर पीछे बैठकर मानसरोवर (जयपुर) स्थित सभास्थल पर पहुँचे। राहुल को अपनी स्कूटी पर पीछे बैठाने वाली स्टूडैंट भी काफी उत्साहित नज़र आई।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू और निज्झर की सभी सम्पत्ति एन.आई.ए ने जब्त की

जालंधर में आतंकी के घर के बाहर एन.आई.ए. ने नोटिस चिपका दिया है कि, अब यह सम्पत्ति केन्द्र सरकार की है

जालंधर , 23 सितंबर (वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन.आई.ए.) ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत चंडीगढ़ और अमृतसर में प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एस.एफ.जे.) संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू की संपत्तियों को जब्त कर लिया है।

एन.आई.ए. मोहाली अदालत के आदेश पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्झर के घर पर भी कार्रवाई हुई है। जालंधर जिले के भारसिंहपुरा गांव में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्झर के घर के बाहर संपत्ति जब्ती का नोटिस चिपका दिया है।

चंडीगढ़ के सेक्टर 15 में पन्नू के आवास के बाहर चिपकाए गए संपत्ति जब्ती नोटिस में लिखा है, मकान नंबर 2033 का 1/4 हिस्सा सेक्टर 15-सी, चंडीगढ़, गुरपतवंत सिंह पन्नू के स्वामित्व में, जो एन.आई.ए. मामले आर सी ए-19/2020/एन.आई.ए./डी.एल.आई . में 'घोषित अपराधी' है, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धारा 33 (5) के तहत राज्य द्वारा जब्त कर लिया गया है।

- **गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका स्थित अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एफ.एस.जे.) के संस्थापकों में से एक हैं और अमेरिका, कैनडा और ब्रिटेन में सिखों के लिए एक अलग राज्य, जिसे वे खालिस्तान कहते हैं, की सक्रिय रूप से पैरवी करते हैं।**

इसी तरह का नोटिस अमृतसर में गुरपतवंत सिंह पन्नू के पैतृक गांव खानकोट में उनकी कृषि भूमि पर भी लगाया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 2020 में दर्ज एक आतंकवादी मामले के संबंध में गांव में पन्नू की 46 कनाल कृषि भूमि जब्त कर ली है। पन्नू के पिता मोहिंदर सिंह पन्नू विभाजन से पहले तरनतारन के पट्टी उपमंडल के नाथू चक गांव के निवासी थे। विभाजन के बाद परिवार अमृतसर के खानकोट गांव में स्थानांतरित हो गया।

गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका स्थित अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एस.एफ.जे.) के संस्थापकों में से एक हैं और अमेरिका, कैनडा और ब्रिटेन में सिखों के लिए एक अलग राज्य, जिसे वे खालिस्तान कहते हैं, की सक्रिय रूप से पैरवी करते हैं। जुलाई 2020 में, पन्नू को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था और दो महीने बाद, सरकार ने कड़े गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की धारा 51 ए के तहत उसकी संपत्तियों की कुर्क का आदेश दिया।

पन्नू भारत के खिलाफ अभियान चला रहा है और अपने गृह राज्य पंजाब में सिख युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा है। वह तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के एक प्रमुख आयोजक रहे हैं, जिन्होंने दुनिया भर के सिखों को इस बात पर मतदान करने के लिए आमंत्रित किया कि क्या पंजाब को धर्म के आधार पर एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाना चाहिए। उन्होंने कैनडा स्थित हरदीप सिंह निज्जर के साथ भी मिलकर काम किया, जिनकी हत्या कैनडा और नई दिल्ली के बीच राजनयिक गतिरोध के केंद्र में रही है।

कैनडा में बढ़ रही खालिस्तानी गतिविधियों के पीछे गुरपतवंत सिंह पन्नू का हाथ है। यह वही पन्नू है , जो अक्सर सोशल मीडिया पर भारत विरोधी बातें करता है। कैनडा मामले में भारत में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत पन्नू ने एक वीडियो जारी कर भारतीय मूल के हिंदुओं को धमकी दी थी। इसके साथ ही, उनसे देश छोड़ने के लिए भी कहा था।

राज्य सरकार की अपील खारिज

जयपुर 23 सितंबर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2017 में जल संसाधन विभाग से रिटायर हुए असिस्टेंट इंजीनियर के सेवा परिलाभ पर दिए ब्याज के मामले में राज्य सरकार की ओर से बिना कारण अपील दायर करने पर नाराजगी जताई है। और अदालत ने अपील को फिलूज बताते हुए राज्य सरकार पर 50 हजार रुपए का हर्जाना लगा दिया है। मुख्य न्यायाधीश ए.जी. मसीह व जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार बिना किसी उचित कारण ही अदालत में अपील दायर कर रही है।

अदालत ने राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले एएजी एसएस राघव को मौखिक तौर पर कहा कि सरकारी अफसरों की हर बात नहीं माननी चाहिए। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार के अफसरों ने ही रिटायर हुए कर्मचारी के मामले की जांच में देरी की, जिससे उसे बकाया राशि का भुगतान नहीं हो पाया।

- **वर्ष 2017 में वॉटर वर्क्स से रिटायर हुए एइएन को सेवा परिलाभ पर ब्याज के मामले में राज्य सरकार द्वारा दायर अपील की हाई कोर्ट ने फिजूल बताया और 50,000 रू. का हर्जाना लगाया।**

वहीं एकलपीठ के आदेश के खिलाफ व्यर्थ की अपील पेश कर दी, जिससे अदालत में अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ रही है।

मामले के अनुसार हरीश कुमार व्यास 30 जून, 2017 को जल संसाधन विभाग से रिटायर हुए थे। उसके खिलाफ किसी मामले में विभागीय जांच चल रही थी। इस जांच को पूरा करने में ही विभाग ने सात साल लगा दिए और यह 9 फरवरी 2021 को पूरी हुई। इसके चलते हरीश कुमार को सेवा परिलाभ के भुगतान में देरी हुई। उसने सेवा परिलाभ दिलवाने के लिए एकलपीठ में याचिका दायर की। जिस पर एकलपीठ ने 30 मार्च 2022 को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को उपार्जित अवकाश की राशि देने का निर्देश देते हुए बकाया राशि नौ प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिए। एकलपीठ के इस आदेश को राज्य सरकार ने बिना उचित कारण ही खंडपीठ में चुनौती दी।

राहुल छात्रा की स्कूटी पर बैठकर सभा स्थल पहुंचे

राहुल ने महारानी कॉलेज में मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की

जयपुर 23 सितंबर (का.प्र.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी शनिवार को प्रदेश के सबसे बड़े महिला महाविद्यालय, महारानी कॉलेज पहुंचे। पहले तो यहां उन्होंने मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की और फिर एक छात्रा के साथ स्कूटी पर बैठकर महारानी कॉलेज से मानसरोवर सभा स्थल के लिए रवाना हुए।

इससे पहले उन्होंने कॉलेज में छात्राओं से संवाद किया। राहुल ने यहां आने पर खुशी जताते हुए कहा कि, वो कई सारे शैक्षिणक संस्थानों में जा चुके हैं, लेकिन महारानी कॉलेज उन बैस्ट इन्स्टिट्यूट्स में से एक है, जहां वो गए हैं। आगे राहुल ने कहा कि, युवाओं के लिए जो जरूरी है, उस विषय पर बात होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर भी खुलकर अपने विचार रखे।

- **महारानी कॉलेज से राहुल गांधी हैलमेट लगाकर स्कूटी पर बैठकर मानसरोवर पहुंचे।**
- **राहुल ने महारानी कॉलेज में छात्राओं से बात की और महिला आरक्षण बिल पर चर्चा की।**

अन्य कार्यक्रमों से पहले महारानी कॉलेज पहुंचे राहुल गाँधी ने लाइब्रेरी विजिट की और फिर इसके बाद मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की। यहां से मानसरोवर स्थित सभा स्थल तक जब हैलमैट पहने राहुल गांधी एक छात्रा की स्कूटी पर बैठकर गए, उस समय उनकी सिक्यूरिटी के लोग मुख्य मार्ग टोंक रोड पर दौड़ते नज़र आए। राहुल गाँधी को अपनी स्कूटी पर पीछे बैठाने वाली छात्रा भी खासा उसाहित लग रह थी

मानसरोवर में सभा के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सेंट्रल पार्क गए, जहां उन्होंने गांधी वाटिका का लोकार्पण किया।

प्र.मंत्री 9 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) की ओर से बताया गया है कि नई ट्रेन्स यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव देंगी और पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

प्रधानमंत्री इन रूट्स की नई वंदे भारत एक्सप्रैस ट्रेन्स की शुरुआत करेंगे:-

1. उदयपुर-जयपुर
2. तिरुनेल्वेलि-मदुरै-चैन्नै
3. हैदराबाद-बैंगलुरु
4. विजयवाड़ा-चैन्नै (वाया रेनिगुन्टा)
5. पटना-हावड़ा
6. कसारागोड-तिरुवनन्तपुरम
7. राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी
8. रांचि-हावड़ा और
9. जामनगर-अहमदाबाद

पी.एम.ओ. की ओर से आगे बताया गया कि इन वंदे भारत ट्रेन्स से देश में रेल सेवाओं के एक नए सोपान की शुरुआत होगी।

इन ट्रेन्स में कवच तकनीकी सहित सुरक्षा के अत्याधुनिक साधन और विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। ये साधारणजनों, पेशेवरों, कारोबारियों, छात्र वर्ग और पर्यटकों को यात्रा का आधुनिक गतिशील एवं सहज साधन उपलब्ध करवाने की दिशा में एक कदम है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में ए.बी.वी.पी. की जीत का परचम लहराया

ए.बी.वी.पी. ने अध्यक्ष समेत तीन पदों पर कब्जा किया, एन.एस.यू.आई. को एक सीट मिली

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। दिल्ली विश्वविद्यालय में करोना महामारी की वजह से तीन साल बाद हुए छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) ने अध्यक्ष पद समेत तीन सीटों पर दर्ज की है जबकि नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एन.एस.यू.आई.) ने उपाध्यक्ष पद पर जीत का परचम लहराया है। छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर ए.बी.वी.पी. के तुषार डेढ़ा ने एन.एस.यू.आई. के हितेश गुलिया को 3,115 मतों से पराजित किया। अध्यक्ष पद पर ए.बी.वी.पी. के तुषार डेढ़ा को 23,460 मत मिले हैं जबकि अध्यक्ष पद पर एन.एस.यू.आई. हितेश गुलिया को 20,345 वोट मिले हैं।

वहीं उपाध्यक्ष पद पर एन.एस.यू.आई. के अभि दहिया को 22,331 वोट और ए.बी.वी.पी. सुशांत धनखड़ को 20,502 वोट मिले हैं। सचिव पद पर ए.बी.वी.पी. की अर्पिता को 24,534 वोट और वहीं एन.एस.यू.आई. की यक्षणा शर्मा को 11,597 वोट मिले हैं। सह सचिव पद पर ए.बी.वी.पी. के सचिन बैंसला को 24,955 वोट और एन.एस.यू.आई. के शुभम कुमार को 14,960 वोट मिले हैं।

- **दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने वाले वामपंथी छात्रों के संगठन आइसा को इस बार एक भी सीट नहीं मिली।**
- **आइसा की अध्यक्ष पद की उम्मीदवार को मात्र तीन हजार वोट ही हासिल हुये।**

डूसू चुनावों में शुक्रवार को 42 फीसदी वोट पड़े जो पिछले चुनाव (साल 2019) की तुलना में करीब 2.10 फीसदी अधिक थे। पिछले चुनाव यानी साल 2019 के चुनाव में 39.90 फीसदी वोट पड़े। तीन साल हुए इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों के लिए 24 प्रत्याशी मैदान में थे। डीयू के 52 कॉलेजों और केंद्रों पर वोट डाले गए थे।

कॉलेजों में बनाए गए पोलिंग स्टेशन पर तय समय पर सुबह 8.30 से वोटिंग शुरू हुई जो कि दोपहर एक बजे समाप्त हुई।

अब इंदिरा गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरिराज सिंह, जिन्होंने 1, सफदरजंग को सरकार को वापस किये जाने की मांग की है, ने इस तथ्य को अपने तर्क को आधार बनाया है-राष्ट्रीय राजधानी में इस समय सभी 15 पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिये एक स्मारक है।

सिंह ने एक्स पर कहा, "मैं मांग करता हूँ कि सारे भारत में बिखरे सभी राजवंशीय भवनों का आकलन किया जाये तथा इनकी तर्काधारित समीक्षा की जाये। इसका शुभारंभ करते हुये, 1, सफदरजंग कॉम्प्लैक्स को तुरंत भारत सरकार को वापस किया जाना चाहिये।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार के कार्यकाल में, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने यह प्रस्ताव पारित किया था कि भविष्य में कोई भी सरकारी बंगला राजनेताओं के स्मारक के रूप में तब्दील नहीं किया जायेगा। वर्ष 2014 में, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इस नीतिगत निर्णय को दोहरा दिया था तथा इसके साथ ही, यह भी संकल्प लिया था कि, महात्मा गांधी के अलावा, किसी भी राजनेता की जयंती का जन्मदिन एवं पुण्यतिथि अब सरकार द्वारा नहीं मनाए जायेंगे।

- **वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने प्रस्ताव पारित किया था कि, महात्मा गांधी के अलावा किसी भी नेता की जयंती या पुण्यतिथि नहीं मनाई जायेगी।**

वर्ष 2018, बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में अपना 13 ए, माल एवेन्यू निवास खाली किया था जिसे उन्होंने बसपा के संस्थापक कांशीराम का स्मारक घोषित कर दिया था।

उन्होंने अपना आवास खाली करने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश की अनुपालना में लिया था, जिसमें कहा गया था कि सभी पूर्व मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास खाली कर दें।

रूस, अमेरिका और चीन नई न्यूक्लियर वैपन परीक्षण साइट ढूंढ रहे हैं

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। रूस, अमेरिका और चीन की न्यूक्लियर साइट को लेकर बड़ा दावा किया गया है। तीनों देशों ने अपने परमाणु साइट के पास नई फैसिलिटी तैयार की हैं। साथ ही हाल के वर्षों में नई सुरंगें भी खोदी गई हैं। सी.एन.एन. की ओर जारी सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से यह बात कही जा रही है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब इन तीनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है और ये सभी बड़ी परमाणु शक्ति वाले देश हैं। क्या रूस, अमेरिका और चीन जल्द ही कोई न्यूक्लियर टैस्ट करने वाले हैं? जो तस्वीरें सामने आई हैं उनमें तो इसके सबूत नहीं मिलते हैं। एक्सपर्ट ने कहा, यह जरूर साबित होता है कि तीनों ही देशों की न्यूक्लियर साइट्स पहले की तुलना में बड़ी हो गई हैं।

बता दें कि चीन की न्यूक्लियर साइट शिनजियांग के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में है। रूस की यह साइट आर्कटिक महासागर द्वीपसमूह और अमेरिका की नेवादा रेगिस्तान में ऑपरेट होती है। सी.एन.एन. के अनुसार, जेफरी लुईस मिडलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में जेम्स मार्टिन सेंटर फॉर नॉनप्रोलिफरेशन स्टडीज के प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा, न्यूक्लियर साइट के पास पहाड़ों के नीचे नई सुरंगों, सड़कों और स्टोरेज फैसिलिटी के साथ वाहनों के यातायात में वृद्धि हुई है। सैटेलाइट तस्वीरों से यह जानकारी सामने आई है। एक्सपर्ट ने कहा, ऐसे कई सारे हिंट मिल रहे हैं जो बताते हैं कि रूस, चीन और अमेरिका नए न्यूक्लियर टैस्ट फिर से शुरू कर सकते हैं। मालूम हो कि साल 1996 में व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि हुई थी। इसके तहत भूमिगत परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके बाद से ही इन देशों ने ऐसा कोई टैस्ट नहीं किया है। चीन और अमेरिका ने संधि पर हस्ताक्षर तो किए हैं, मगर उन्होंने इसका अनुमोदन नहीं किया। आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन के मुताबिक, दुनियाभर के 9 देशों के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं।

- **विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि, ये तीनों देश जल्द न्यूक्लियर परीक्षण शुरु कर सकते हैं।**
- **गौरतलब है कि, साल 1996 में परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि हुई थी। इसके तहत भूमिगत परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके बाद से ही इन तीनों देशों ने कोई न्यूक्लियर वैपन टैस्ट नहीं किया है।**

वसंधुरा राजे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि, मोदीजी ने महिला आरक्षण बिल के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि, मातृशक्ति की भागीदारी के बिना किसी भी राष्ट्र के नव निर्माण की कल्पना अधूरी है। यह बात उन्होंने अपने सरकारी आवास पर प्रदेश भर से आई महिलाओं से रक्षा सूत्र बंधावते हुए कही। उन्होंने कहा कि, यहाँ मौजूद महिलाओं का जोश देख कर यह तय है कि, नारी शक्ति का यह प्रवाह राजस्थान की महिला विरोधी कांग्रेस सरकार को बहा कर ले जाएगा।

राजे ने कहा, "रक्षासूत्र यूँ तो कच्चा धागा है, पर मज़बूत और अटूट है, मेरे लिए सुरक्षा कवच है। इसमें राजस्थान की संपूर्ण महिलाओं की शक्ति है जो मुझे हर मुश्किल को पार करने का हौसला देगा और प्रदेशवासियों की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।" पूर्व मु.मंत्री ने कहा कि, यह धागा उसे ही बांधें जो इस धागे का धर्म निभाये, जैसे भगवान कृष्ण। उन्होंने कहा कि, समाज रूपी बगीचा तब ही खूबसूरत दिखेगा जब उसमें सभी किस्मों के फूल समान भाव से खिलेंगे। अब मिलकर एक ऐसा राजस्थान बनाएं, जहां हमारी बेटियां बेखौफ़ अपना बचपन जी सकें। हमारी बहनें बिना किसी बाधा के अपने सपने पूरे कर सकें। हमारी माताएं सम्मान के साथ सिर ऊँचा करके चल सकें।

दिल्ली में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निवासियों को उमस भरे मौसम में इस बारिश से राहत मिली। भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार सुबह बताया कि "दिल्ली और एन.सी.आर. के सीमावर्ती क्षेत्रों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी तथा बिजली चमकने के साथ आंधी-तूफान और मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। विभाग ने कहा था कि दिल्ली के ही हिण्डन एयर फोर्स स्टेशन, गाज़ियाबाद, इन्दिरापुरम, नोएडा, दादरी, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, मानेसर, सोनीपत और बल्लभगढ़ आदि एन.सी.आर. क्षेत्रों से तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है।

आरक्षण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधेयक, जो जल्दबाजी में लाया गया, पारित तो हो गया लेकिन यह किसी को नहीं मालूम कि यह कानून लागू कब होगा। अगर सरकार के कुछ मंत्रियों तथा सांसदों के शब्दों पर यकीन किया जाये, तो यह कानून वर्ष 2039 तक लागू हो पायेगा।" सुप्रिया श्रीनाटे ने जानना चाहा कि इस आरक्षण विधेयक पारित करने के लिये संसद का विशेष सत्र बुलाने की सरकार को अचानक ही ऐसी क्या जल्दबाजी थी, जबकि इसे अधरझूल में छोड़ दिया जाना था। उन्होंने पूछा कि क्या यह अगले चुनावों में महिलाआं को प्रभावित करने का एक और साधन मात्र नहीं है।

प्रोटोकॉल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, विधायक और कई वी.आई.पी. भी पानी के लिए एक दूसरे को इशारा करते रहे, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं हो पाई।

'नया संसद भवन भूलभुलैया जैसा है, दूसरे सांसदों के साथ संवाद ही नहीं हो पाता'

जयराम रमेश ने दावा किया कि, हॉल के कॉम्पैक्ट (सुगठित) नहीं होने की वजह से एक-दूसरे को देखने के लिए दूरबीन की आवश्यकता महसूस होती है

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि नए संसद भवन को "मोदी मल्टीप्लेक्स या मोदी मैरियट" कहा जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि उन्हें पुराने संसद भवन की याद आती है और उन्हें नया भवन "क्लॉस्ट्रोफोबिक" और "भूलभुलैया जैसा" लगता है। कांग्रेस ने संसद के नए भवन के डिजाइन को लेकर शनिवार को सवाल खड़े करते हुए दावा किया कि दोनों सदनों के बीच समन्वय खत्म हो गया है और इसमें घुटन महसूस होती है, जबकि पुराने भवन में खुलेपन का अहसास होता था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद शायद नए संसद भवन का बेहतर उपयोग हो सकेगा। नए संसद भवन में दोनों सदनों की कार्यवाही बीते विशेष सत्र में 19 सितंबर से शुरू हुई। पुराने भवन को अब 'संविधान सदन' के नाम से जाना जाता है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "इतने भव्य प्रचार-प्रसार के साथ उद्घाटन किया गया नया संसद भवन प्रधानमंत्री के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से दिखाता है। इसे 'मोदी मल्टीप्लेक्स' या 'मोदी मैरियट' कहा जाना चाहिए। चार दिन में मैंने देखा कि दोनों सदनों के अंदर और लॉबी में बातचीत एवं संवाद ख़त्म हो गया है।"

उन्होंने दावा किया, "हॉल के कंपैक्ट (सुगठित) नहीं होने की वजह से एक-दूसरे को देखने के लिए दूरबीन की आवश्यकता महसूस होती है। पुराने संसद भवन की कई विशेषताएं थीं। एक विशेषता यह भी थी कि वहां बातचीत और संवाद की अच्छी सुविधा थी। दोनों सदनों, सेंट्रल हॉल और गलियारों के बीच आना-जाना आसान था। नया भवन संसद के संचालन को सफ़ल बनाने के लिए आवश्यक जुड़ाव को कमज़ोर करता है। दोनों सदनों के बीच आसानी से होने वाला समन्वय अब अत्यधिक कठिन हो गया है।"

- **जयराम रमेश ने कहा कि, पुराने संसद भवन की कई विशेषताएं थीं। एक विशेषता यह भी थी कि, वहां बातचीत और संवाद की अच्छी सुविधा थी।**
- **जयराम रमेश ने कहा कि, नए संसद भवन को "मोदी मल्टीप्लैक्स या मोदी मैरियट" कहा जाना चाहिए।**

उनके मुताबिक, अगर आप पुरानी इमारत में खो जाते तो आपको अपना रास्ता फ़िर से मिल जाता क्योंकि वह गोलाकार है। नयी इमारत में यदि आप रास्ता भूल जाते हैं, तो भूलभुलैया में खो जाएंगे।

कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, "पुरानी इमारत के अंदर और परिसर में खुलेपन का एहसास होता है, जबकि नई इमारत में घुटन महसूस होती है।"

उन्होंने कहा, "अब संसद में भ्रमण का आनंद गायब हो गया है। मैं पुराने भवन में जाने के लिए उत्सुक रहता था। नया परिसर दर्दनाक और पीड़ा देने वाला है। मुझे यकीन है कि पार्टी लाइन से परे मेरे कई सहयोगी भी ऐसा ही महसूस करते होंगे।"

रमेश ने दावा किया, " मैंने सचिवालय के कर्मचारियों से यह भी सुना है कि नए भवन के डिज़ाइन में उन्हें काम में मदद करने के लिए आवश्यक विभिन्न व्यावहारिकताओं पर विचार नहीं किया गया है। ऐसा तब होता है जब भवन का उपयोग करने वाले लोगों के साथ ठीक से परामर्श नहीं किया जाता है।" उन्होंने कहा कि 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद शायद नए संसद भवन का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

'अगर अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक आतंकवादी था और एक वर्ष पूर्व एक प्रतिद्वंदी सिख नेता की हुई कथित हत्या में शामिल था।

वास्तव में ट्रूडो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह एक आतंकवादी को क्यों पनाह दिए हुए थी।

इस बीच, इसके बावजूद कि ट्रूडो ने "फाइव आईज़" सिक्योरिटी एग्रीमेन्ट ग्रुप के सदस्यों द्वारा भारत की तुरन्त एवं स्पष्ट निन्दा किये जाने का आव्हान किया है, इस प्रकार का कोई भी बयान सामने नहीं आया। जहाँ अमेरिका ने इस पर किसी प्रकार की अधिकृत टिप्पणी नहीं की है, कैनडा में अमेरिका के राजदूत ने कहा कि कुछ खुफिया शेयरिंग हुई है।

पूरा विवाद एवं दावे तथा कत्ल के दावे पूरे दोषारोपण के पीछे के कारणों के कई स्तरों की ओर संकेत कर रहे हैं। बताया जाता है कि जस्टिन ट्रूडो राजनैतिक दबाव में है तथा इससे उसके द्वारा एकाएक किये गये रहस्योदघाटनों का आंशिक स्पष्टीकरण भी मिलता है। इसके परिणामस्वरूप वे हार्ड फैक्ट्स को लेकर आगे नहीं आ रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

हर किसी की अपनी राय होती है। पूर्व खिलाड़ियों को अपने विचार साझा करने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं नहीं मानता कि इस टीम में किसी तरह का अहंकार है।

- रविन्द्र जडेजा

भारतीय क्रिकेटर, कपिल देव की खिलाड़ियों को लेकर की गई टिप्पणी पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद कैफ

टीम इंडिया ने कंगारुओं के खिलाफ शुरू हुई तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भले ही पांच विकेट से जीत कर सीरीज में बढ़त हासिल कर ली हो, लेकिन इसके बावजूद पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने 2023 को लेकर वॉर्निंग दी है। कैफ ने की दिशा में आगे बढ़ते हुए मेगा टूर्नामेंट की तैयारियों में बड़ी खामी व्यक्त करते हुए कहा कि कप्तान रोहित और राहुल द्रविड़ ने अगर इस पर ध्यान नहीं दिया, तो भारत विश्व कप में हार सकता है। दरअसल अपने समय के दिग्गज फील्डर रहे कैफ ने टीम इंडिया की फील्डिंग पर सवाल उठाया है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकार्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में बारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

हांगझोउ में हुआ 19वें एशियाई खेल का उद्घाटन

हांगझोउ, 23 सितंबर। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उपस्थिति में हांगझोउ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में शनिवार रात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इको-फ्रेंडली टेक्नोलॉजी के साथ 19वें एशियाई खेल का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। इन खेलों में इस बार 12 हजार से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। एशियाई खेल 2023 के उद्घाटन समारोह में चीन की समृद्ध विरासत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इको-फ्रेंडली टेक्नोलॉजी के साथ देश के आधुनिक दृष्टिकोण को भी दुनिया के सामने पेश किया।

यह एशियाई खेल 2023 खेलों का पहला संस्करण है जिसमें डिजिटल मशाल-प्रज्ज्वलन समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह में लाखों मशाल-वाहक क़ियानतांग नदी पर डिजिटल लौ को डिजिटल मानव आकृति में बदला। 3डी एनिमेशन हांगझोउ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाज़ी भी की गई। चीन हांगझोउ के साथ पांच अन्य शहर हुझोउ, निंग्बो, शाओजिंग, जिन्हुआ और वेंझोउ में खेलों को आयोजित किया जायेगा।

भारतीय दल की अगुवाई कर रहे हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुर्ता और पायजामा उसके ऊपर रंगबिरंगी जैकेट पहने हुए थे और वहीं विश्व चैंपियन मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन साड़ी पहने हुए थी। दोनों संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज के उठाये हुए थे। इस दौरान अन्य महिलाओं सदस्यों ने भी पारंपरिक परिधान साड़ी पहनी हुई थी और उनके हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा था। एशियाई खेलों में भारतीय दल की 921 सदस्य है, जिसमें 655 एथलीट, 260 कोच और सहायक कर्मचारी शामिल हैं। एशियाई खेलों में यह देश का अब तक का सबसे बड़ा दल है।

फुटबाल, वॉलीबाल, क्रिकेट, रोइंग, सेलिंग (नौकायन), टेबल टेनिस, आधुनिक पेंटाथलन आदि खेलों में मुकाबले उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरू हो गए। महिला क्रिकेट, भारतीय महिला टीम पहली बार इन खेलों में शिरकत कर रही है और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। टीम से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। वहीं, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली पुरुष क्रिकेट टीम भी पीला तमगा पाने का माद्दा रखती है। हालाँकि भारत ने अपनी सीनियर टीम को एशियन खेल में नहीं भेजा है और जो टीम भेजी गई है, उसकी कप्तानी रितुराज गायकवाड़ कर रहे हैं।

जबकि भारतीय महिला टीम की कमान दो मैचों के लिए स्मृति मंधाना के पास है। टीम में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर भी हैं। लेकिन उन पर दो मैचों की रोक लगी है। भारतीय महिला टीम पहले ही सेमी फ़ाइनल

में पहुँच चुकी है। पुरुष मुकाबलों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को सीधे क्वार्टर फ़ाइनल में जगह मिली है। भारत अपना क्वार्टर फाइनल मैच तीन अक्तूबर को खेलेगा। भारत की महिला और पुरुष टीम को पदक का बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

पुरुष-महिला हॉकी टीमें मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारतीय पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों का स्वर्ण जीतना माना जा रहा है। पुरुष और महिला कबड्डी टीम से भी स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें हैं। पिछली बार पुरुष टीम ने कांस्य और महिला टीम ने रजत पदक जीता था। निशानेबाजी में निशानेबाजों ने 2018 में दो स्वर्ण सहित नौ पदक जीते थे, लेकिन इस बार वे शायद इस संख्या को पार नहीं कर पाएं। मुक्केबाजी में निकहत जरीन और बोरगोहेन स्वर्ण पदक जीतने की प्रबल दावेदार हैं। कुश्ती में अंतिम पंघाल से स्वर्ण की आस है। उन्होंने हाल ही में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक कोटा दिलाया।

नीरज चोपड़ा भाला फेंक (जैवलिन थ्रो)के इस एशियन खेल में भी भारत की ओर से स्वर्ण पद के दावेदार हैं। वहीं निखत ज़रीन से एशियन खेल में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। भारतीय मुक्केबाज़ी की पोस्टर गर्ल अंतिम पंघाल महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने हाल ही में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए 53 किलोग्राम भार वर्ग में कोटा हासिल कर लिया है। हॉकी टीम भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियन चैम्पियंस ट्रॉफ़ी में जीत के बाद काफ़ी उत्साहित है। इस एशियन खेल में उसे स्वर्ण पद का बड़ा दावेदार माना जा रहा है। भारत पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह के पास है, जो उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व भी करेंगे। वहीं भारत की महिला हॉकी टीम से भी बड़ी उम्मीदें हैं। टीम की कप्तानी सविता पुनिया के पास है।

सात्विक सैराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी- बैडमिंटन, इस साल चार ख़िताब जीत चुकी भारत की इस जोड़ी को इस एशियन खेल में स्वर्ण पद का दावेदार माना जा रहा है। सात्विक और चिराग इस समय ज़बरदस्त फ़ॉर्म में चल रहे हैं। मीराबाई चानू भारोत्तोलन में एक बार फिर भारत की मीराबाई चानू से बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। प्रणॉय- बैडमिंटन, बैडमिंटन के सिंगल्स मुक़ाबलों में एचएस प्रणॉय भारत के दमदार खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। इस एशियन खेल में उनसे भी स्वर्ण पद की उम्मीद की जा रही है।

भारत के मोहम्मद अनस, अमोज जैबक, मोहम्मद अजमल और राजेश रमेश की चौकड़ी के हाल ही में हुए वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत की ये चौकड़ी 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में फ़ाइनल तक पहुँची थी। इस चौकड़ी एशियाई खेल में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। रूद्रांक्ष पाटिल, महाराष्ट्र से आने वाले 19 वर्षीय निशानेबाज़ रूद्रांक्ष पाटिल पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगे। उनसे पुरुषों की 10 मीटर एयर रायफल में उनसे काफी उम्मीदें हैं।

मोहाली में भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच आज

चंड़ीगढ़, 23 सितम्बर। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले वनडे मैच को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसमें करीब 3 हजार कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही करीब 15 दंगा रोधी टीम भी तैनात की गई हैं। मोहाली पुलिस के अलावा दूसरे जिलों से भी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी बुलाए गए हैं। क्रिकेट मैच के दौरान किसी प्रकार की सुरक्षा संबंधी कोई समस्या न हो इसके लिए मोहाली पुलिस ने पूरे इंतजाम कर लिए हैं।

सुरक्षा प्रबंधन की जानकारी देते हुए लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला ने बताया कि मैच के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी रोपड़ रेंज के गुरप्रीत सिंह भुल्लर की होगी। उनके निर्देशन में मोहाली के डॉ. संदीप गर्ग और रोपड़ के विवेकशील सोनी सुरक्षा प्रबंध देखेंगे। इसमें डॉ. संदीप गर्ग स्टेडियम के अंदर की जिम्मेदारी निभाएंगे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच देखने आने वाले लोगों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इसके लिए मोहाली प्रशासन की तरफ से 10 जगह पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसमें सबसे बडी पार्किंग सेक्टर- 68 वन विभाग के सामने बनाई गई है। यहां पर करीब 1000 गाडी खडी करने की व्यवस्था है। वीआईपी पार्किंग के लिए हॉकी स्टेडियम में व्यवस्था की गई है। इसके अलावा फेज- 8 में भी पार्किंग की व्यवस्था है। मोहाली प्रशासन ने भवन, पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड, फेज-10 मार्केट, फेज- 11 मार्केट, चौक, और गेट नंबर 6, 7, 8, और 9 के सामने फेज- 9 में खाली ग्राउंड में पार्किंग की व्यवस्था की है। क्रिकेट मैच के दौरान फेज-10 और फेज-11 के लाइट पॉइंट, सेक्टर 49 और 50 लाइट पॉइंट, फेज 8 और फेज-9 लाइट पॉइंट, ब्रिज लाइट पॉइंट, सेक्टर 68 गोगा मेडी के नजदीक यातायात की समस्या रह सकती है।

इसके लिए पुलिस की तरफ से वहां पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि यातायात को सुचारु रूप से चलाया जा सके। पंजाब के लॉ एंड ऑर्डर और अर्पित शुक्ला ने कहा कि मैच के दौरान किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। पंजाब पुलिस ने इसके पुख्ता प्रबंध कर लिए हैं। अगर कोई भी शांति में ख़लल डालेगा तो उसके खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए पाक टीम का ऐलान

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। वनडे वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है। पाकिस्तान का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को हैदराबाद के उप्पल मैदान पर नीदरलैंड से होगा। वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। **यह है पाकिस्तान टीम:** बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमान, इमाम-उल हक, अब्दुल्लाह शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, शाहीन शाह अफरीदी, हरिफ रऊफ मोहम्मद वसीम जूनियर, और हसन अली।

एशियाई खेल 2023 में ध्वजवाहक हरमनप्रीत सिंह और लवलीना ने किया भारत का नेतृत्व

होंगझोऊ, 23 सितंबर। चीन के होंगझोऊ में एशियाई खेल 2023 का उद्घाटन समारोह शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम साढ़े पांच बजे से शुरू हुआ। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने ध्वजवाहक की भूमिका निभाई। एशियाई खेल में भारत के 655 एथलीट 39 खेलों में हिस्सा लेंगे।

इन खेलों का आयोजन पिछले साल 2022 में किया जाना था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इन्हें 2023 के लिए स्थगित कर दिया गया। ऐसे में इस बार पांच साल बाद एशियाई खेलों का आयोजन हो रहा है। एशियाई खेलों में 45 देशों के एथलीट अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ध्वजवाहक की भूमिका निभाई। दोनों ने परेड में भारतीय दल की अगुआई की। परेड की शुरुआत करने वाला पहला देश अफगानिस्तान था, उसके बाद बहरीन, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, हांगकांग, चीन, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, इराक थे। भारत हांगझोउ में 39 स्पर्धाओं के लिए 655 खिलाड़ियों के सबसे बड़े दल के साथ पहुंचा है और उसकी कोशिश इंडोनेशिया 2018 में जीते गए 70 पदकों (16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य) से बेहतर 100 पदक जीतकर बेहतर प्रदर्शन करने पर जोर रहेगा ताकि वह दुनिया को दिखा सके कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद से देश में खेल ने किस तरह से तेजी से बदलाव आया है।

गौरतलब है कि टोक्यो 2020 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा साल 2018 में आयोजित जकार्ता एशियाई खेलों में ध्वजवाहक थे। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कुल 655 भारतीय एथलीट 39 खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

राजस्थान

बोलेरो-कार की भिड़ंत में कार सवार दंपति सहित तीन की मौत

हादसे मे बोलेरो सवार पिता-पुत्र सहित चार लोग घायल हो गए

भरतपुर, (निसं)। उच्चैन में कैमासी गांव के पास शनिवार दोपहर बोलेरो और कार की भिड़ंत में कार सवार दंपति समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बोलेरो सवार पिता-पुत्र समेत चार लोग घायल हो गए।

उच्चैन थाना पुलिस के मुताबिक बोलेरो का टायर फटने से वह बेकाबू होकर सामने से आ रही कार से टकरा गई। दोनों वाहन सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बोलेरो सवार 4 घायलों को तुरंत उच्चैन हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां से भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया। दो घायलों को आईसीयू में शिफ्ट किया है। जानकारी के अनुसार भरतपुर के सेवर थाना इलाके के गांधीनगर निवासी संताप पत्नी डॉली और परिचित दिनेश के साथ करौली के जटवाड़ा से उच्चैन जा रहे थे। संताप जयपुर में बैंक ऑफ बड़ौदा में पीओ के पद पर था। डॉली करौली में सरकारी टीचर थी। संताप, डॉली को लेकर उच्चैन होता हुआ अपने घर सेवर जा रहा था। दिनेश भी सरकारी टीचर था। वह डॉली के साथ करौली के जटवाड़ा स्कूल में पढ़ाता था। दिनेश डीग के गोवर्धन गेट का रहने वाला था। वह डीग जाने के लिए भरतपुर तक संताप और डॉली के साथ आ रहा था।

- **बोलेरो का टायर फटने से वह बेकाबू होकर कार से टकरा गई थी**
- **कार में सवार मुकेश मीणा अपने बेटे लखन को गंगाजी नहलाकर लाया था**

भरतपुर से दिनेश अपने घर डीग निकलने वाला था। जानकारी के अनुसार कैमासी गांव के पास बोलेरो का टायर फटते ही वह लहराकर संताप की कार से जा टकराई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि तेज धमाका हुआ और कार चकनाचूर हो गई। पेड़ से टकराने के बाद कार पूरी तरह पिचक गई। बोलेरो को कालूराम चला रहा था। कार में सवार मुकेश मीणा अपने बेटे लखन को गंगा नहलाकर लाया था। इसके अलावा बोलेरो में उनका भरत नाम का रिश्तेदार भी था। ड्राइवर कालूराम और भरत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। मुकेश और लखन का भी इलाज चल रहा है। बोलेरो सवार चारों व्यक्ति बामनवास के रहने वाले हैं। वे शुक्रवार को सौरोजी (यूपी) के लिए निकले थे। शनिवार को घर बामनवास लौट रहे थे।

उदयपुर से जयपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत आज

उदयपुर से जयपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत रविवार को होगी।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर से जयपुर के बीच चलने वाली प्रदेश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन की सौगात शहरवासियों को रविवार से मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोपहर 12.30 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए इसकी शुरूआत करेंगे। इसके पश्चात 25 सितम्बर से यह सप्ताह में छह दिन (मंगलवार को छोड़कर) चलेगी। ट्रेन में सात डिब्बे होंगे इसमें एक एक्जीक्युटिव कोच व सात चेयर डिब्बे होंगे।

रविवार को इसके उद्घाटन से शुक्रवार को इसका अंतिम ट्रायल लिया गया। इससे पूर्व 11 अगस्त को उदयपुर पहुंचने के बाद 13 अगस्त को इसका पहला ट्रायल हुआ था। उदयपुर को 24 सितम्बर को शुभारंभ के साथ ही 25 सितम्बर से मिलने वाली वंदे भारत ट्रेन की सौगात को लेकर अब इसके मार्ग में कुछ बदलाव किया गया है। पहले यह ट्रेन चंदेरिया होकर चल रही थी इससे जयपुर पहुंचने में इसे छह घंटे का समय लग रहा था लेकिन अब इस चित्तौड़गढ़ होकर आने व जाने से 15 से 20 मिनट का फर्क आएगा। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह ट्रैन पूरी तरह से एयर कंडीशनर है। एक्जीक्युटिव कोच में 360 डिग्री पर घूमने वाली सीटें है जबकि

- **राणाप्रतापनगर, मावली, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, विजयनगर, अजमेर व किशनगढ़ में रहेगा ठहराव**
- **सप्ताह में छह दिन (मंगलवार को छोड़) चलेगी वंदे भारत ट्रेन, सवा छह घंटे का समय लेगी**

चेयर डिब्बों में 3 बाय 2 सीटिंग अरेंजमेंट की सामान्य सीटें होगी। प्रत्येक कोच में लगे एलईडी व अब ट्रेन की गति व आने वाली स्टेशन की जानकारी प्राप्त होती रहेगी। वंदे भारत में सफर करने वाले प्रत्येक यात्री को चाय व पानी की बोटल टिकट के साथ ही मिलेगी। इसके अलावा नाश्ता, भोजन आदि के मैनू के अनुसार राशि टिकट में जोड़ी जाएगी। कैटरिंग की सुविधा नहीं लेने पर इसके चेयरकार का किराया 965 व एग्जीक्यूटिव कोच का किराया 1920 रहेगा। वहीं कैटरिंग की सुविधा लेने पर उदयपुर से चेयरकार का किराया 1305 व एग्जीक्यूटिव का किराया 2320 रहेगा वहीं जयपुर से चेयरकार का 1250 व एग्जीक्यूटिव का 2270 रहेगा।

उदयपुर से सप्ताह में 6 दिन (मंगलवार को छोड़कर) प्रतिदिन सुबह 7.50 बजे रवाना होगी जो दोपहर 14.05 (2 बजकर 5 मिनट) पर जयपुर पहुंचेगी। वंदे भारत मार्ग में राणाप्रतापनगर, मावली, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा, विजयनगर, अजमेर व किशनगढ़ स्टेशनों पर ठहराव करेगी। जयपुर से यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन (मंगलवार को छोड़कर) दोपहर 15.45 (3 बजकर 45 मिनट) पर रवाना होगी और 22.00 बजे (रात 10 बजे) उदयपुर पहुंचेगी।

शुक्रवार उदयपुर से जयपुर इसके ट्रायल में यह नियमित समय पर जयपुर पहुंच गई लेकिन उदयपुर वापस लौटते समय इसे परिवर्तित मार्ग पर चलाया गया। चंदेरिया की बजाय इस ट्रेन को चित्तौड़गढ़ रूट पर ले जाया गया जहां चित्तौड़गढ स्टेशन से 200 मीटर पहले ट्रेन के आगे मवेशी आने से ट्रेन के आगे लगा पैनल मास्क क्षतिग्रस्त हो गया जिसे तारों से बांधा गया और इसकी ठीक से मरम्मत उदयपुर में की गई।

ईडी की टीम उदयपुर होटल राफैल्स पहुंची

उदयपुर, (कासं)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी की चार सदस्ययीय टीम शनिवार सवेरे फिर से उदयसागर स्थित होटल राफैल्स पहुंची है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ईडी की टीम के सदस्य होटल में फिर से महत्वपूर्ण तथ्यों की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि होटल समूह में कई राजनेताओं की हिस्सेदारी होने की संभावना है। इडी के सदस्य सभी पक्षों के आधार पर अपनी जांच को आगे बढ़ा रहे हैं। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम पूर्व में 29 अगस्त 2023 को भी उदयसागर स्थित होटल राफैल्स पहुंची थी। जहां दिन भर दस्तावेजों की जांच के बाद सभी दस्तावेज लेकर लौटी थी। शनिवार को पुन: सवेरे जांच करने पहुंची टीम गहनता से जांच कर रही है।

महाराष्ट्र के चोर गिरोह के चार शातिर बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। दरगाह थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के चोर गिरोह के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 25 ब्रांडेड विभिन्न कंपनियों के मोबाइल भी बरामद किए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

दरगाह थाना प्रभारी जगदीश मीणा ने बताया कि दरगाह क्षेत्र में ख्वाजा साहब की महाना छठी पर्व की दुआ और नमाज के दौरान मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई करने के लिए थाना स्तर पर टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के रहने वाले शेख अनीस पुत्र शेख रसीद, शेख बसीउद्दीन पुत्र शेख शकीलूद्दीन, शेख उमर और फारूक पुत्र शेख लतीफ सहित शेख रईस पुत्र शेख रहीम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कब्जे से 25 अलग-अलग कंपनियों के ब्रांडेड मोबाइल बरामद किए हैं। सभी आरोपी दरगाह क्षेत्र में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड खंगालने के साथ ही मामले में पूछताछ कर रही है।

कार से डोडा-पोस्त की तस्करी, दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। बासनी थाना पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर भाग रही कार को पकड़ा है जिससे डोडा-पोस्त बरामद किया गया है। एस्कॉर्ट कर रही एक अन्य कार को भी जब्त कर तस्कर और साथी आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कार से 12 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया है। वहीं हरियाणा और गुजरात के नंबरों की कई नंबर प्लेट में जब्त की गई है। पुलिस अब दोनों से डोडा-पोस्त की तस्करी के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बासनी थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि देर रात दाऊजी की होटल से डीजल से रोड पर नाकाबंदी करवाकर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक कार तेज स्पीड में निकलने लगी। पुलिस ने रुकवाने का प्रयास किया तो चालक तेजी से कार को भगाकर ले गया। भागने के दौरान चालक ने एक बोलेरो पिकअप को भी टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। कुछ ही देर में हादसे का पता लगने पर कार को एस्कॉर्ट कर रही एक अन्य कार में सवार युवक वहां पर पहुंचा। इधर पीछा कर रहे एएसआई जेठाराम और अन्य पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर दोनों कार के चालक भागने लगे लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर मुकेश और आरोपी दीपक को पकड़ लिया।

- **पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर भाग रही कार को पकड़ा**
- **पुलिस ने कार से 12 किलो डोडा पोस्त बरामद किया**

मौके पर तलाशी के दौरान कार से 12.124 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर डीडवाना कुचामन जिले के लाडनूं थाना क्षेत्र के सिवा हाल लाडनूं निवासी मुकेश (24) पुत्र नेमाराम चौधरी, डूंगरगढ़ बीकानेर निवासी दीपकसिंह (20) पुत्र गंगा सिंह खींची को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मुकेश चौधरी एनडीपीएस एक्ट के मामले में मध्य प्रदेश की नीमच जेल में बंद था। पैरोल पर छूटने के बाद पिछले एक साल से फरार चल रहा था। आरोपी मुकेश के खिलाफ डकैती और एमपी के नीमच जिले में जावद सहित जोधपुर ग्रामीण के खेड़ापा थाने में नशीले पदार्थ तस्करी के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस से बचने के लिए आरोपी नशे की तस्करी के दौरान अपने साथी दीपक सिंह से अन्य कार से एस्कॉर्ट भी करवाता है। पुलिस अब अवैध नशीले पदार्थ खरीद के संबंध में पूछताछ कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

बीदासर, (निसं)। वार्ड 18 स्थित पटवार घर के पास 22 वर्षीय इस्लाम मणिहार ने शनिवार को अपने घर के कमरे में पंखे के हुक में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय इस्माल के पिता अलादीन अपनी पत्नी को जयपुर इलाज हेतु दिखाने गये हुये थे। घर में उसकी भाभी थी। भाभी को घटना का पता चलने पर मृतक के चाचा मुस्ताक को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मोहल्ले वासियों के सहयोग से युवक के शव को नीचे उतार कर राजकीय सीएचसी में पोस्टमार्टम हेतु ले गये। जहाँ मृतक के चाचा मुस्ताक मणिहार की रिपोर्ट पर मरग का मामला दर्ज कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

MARUTI SUZUKI

NEXA

INSPIRATION IS JUST A DRIVE AWAY.

Discover the NEXA range of cars.

CREATE. INSPIRE.

Scan the QR Code to experience the world of NEXA.

Scan the QR code to book your test drive now.

NEXA 8 INSPIRING EXPERIENCES

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING BENEFITS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: NEXA TONK ROAD (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

Scan to know more.

*T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities.